door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 258 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 19 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दुनिया के सौ सबसे प्रभावशाली लोगों में अजय बंगा , आलिया भट्ट, ओलंपियन साक्षी — पेज 2
अब शांति और विकास की धरती बन गई है कोकराझाड़ : नड्डा — पेज 3
पूरे देश में एक ही आवाज, फिर एक बार मोदी सरकार : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
धोनी अगले साल का आईपीएल भी खेल सकते हैं... — पेज 7

इंडी गठबंधन का उद्देश्य भ्रष्टाचारियों को बचाना है : नड्डा

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को असम के कोकराझाड़, उदालगुड़ी और दुधनै में जनसभाओं को संबोधित किया। इन सभाओं में नड्डा ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार को बढ़ाने और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बचाने का आरोप लगाया। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और असम में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों का उल्लेख किया और साथ ही भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लेकर इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। जनसभाओं में नड्डा ने कहा कि जनता का उत्साह और उमंग देखकर यह तय हो गया है कि असम की जनता ने आगामी चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का निर्णय ले लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीति की चरित्र एवं परिभाषा को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि असम के क्षेत्रों में पहले विकास के नाम पर कुछ नहीं था। कुछ समय पूर्व तक कोकराझार समुदायिक दंगों, आंदोलन और बम के लिए जाना जाता था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशन में 27 जनवरी 2020 में बोड़ो शांति समझौता स्थापित हुआ और लगभग 1615 लोगों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रमोद बोड़ो ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए इस आंदोलन में अपना समर्थन दिया और कोकराझार में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज पूरे असम में शांति, सुरक्षा और सुशासन आया है और लोगों का सशक्तिकरण हुआ है। उन्होंने कहाकि मोदी सरकार का मतलब एक सक्रिय, समर्थ और उत्तरदायी सरकार। केंद्र सरकार ने बोडोलैंड के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने पूर्वोत्तर की हमेशा उपेक्षा की है। कांग्रेस के शासन में पूर्वोत्तर के राज्यों का विकास सदैव बाधित रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 70 बार पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा कर पूर्वोत्तर को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। भाजपा सरकार ने अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच चल रहे सीमा विवाद को भी हल कर दिया गया है। नड्डा ने अरुणाचल प्रदेश में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में भारत एक लड़खड़ाती हुई अर्थव्यवस्था थी, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना जैसी गंभीर महामारी और यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत एक मजबूत अर्थवस्था बन कर उभरा है। पूर्व की सरकारों में भारत वैश्विक स्तर पर 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज -शेष पृष्ठ दो पर

पहले चरण का मतदान आज, आयोग की सभी तैयारियां पूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के लिए 21 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 102 संसदीय क्षेत्रों तथा अरुणाचल एवं सिक्किम की 92 विधानसभा क्षेत्रों के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने प्रथम चरण के मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ज्यादातर स्थानों पर मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। लोकसभा 102 सीटों में से 73 सामान्य, 11 अनुसूचित जनजाति और 18 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। इस चरण में 16.63 करोड़ मतदाता हैं और उनके लिए आयोग की ओर से 1.87 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं और 18 लाख मतदान अधिकारी तैनात किए गए हैं। इस चरण में 1625 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। इनमें से 1491 पुरुष और 134 महिलाएं हैं। मतदाताओं की संख्या 16.63 करोड़ है। इसमें 8.4 करोड़ पुरुष, 8.23 करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने मतदाताओं से मतदान करने की अपील की

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक वीडियो संदेश जारी कर लोगों से मतदान की अपील की है। उन्होंने कर्तव्य और जिम्मेदारी को समझते हुए लोगों से स्वयं मतदान करने तथा अपने परिवारवालों और दोस्तों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने के -शेष पृष्ठ दो पर

मोरीगांव में कांग्रेस चुनाव प्रचार कार्यालय क्षतिग्रस्त एफआईआर दर्ज

मोरीगांव। असम के मोरीगांव जिले में कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद प्रद्युत बरदलै के दो अस्थायी चुनाव प्रचार कार्यालयों को अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। घटना के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज किया। एक अधिकारी के अनुसार, कुछ बदमाशों ने बुधवार रात जागीरोड और जगी भक्तगांव के पास बागजाप में नगांव लोकसभा उम्मीदवार के चुनाव प्रचार कार्यालयों में तोड़फोड़ की। सुरक्षा बल एक मजिस्ट्रेट के साथ स्थिति का आकलन करने के लिए स्थानों पर गए। -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने नब शरणिया की याचिका खारिज की

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने 18 अप्रैल को दो बार के सांसद नब शरणिया की एक रिट याचिका खारिज कर दी, जिसमें राज्य स्तरीय जांच समिति के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उनकी अनुसूचित जनजाति (मैदानी) स्थिति को रद्द कर दिया गया था। असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने बताया कि न्यायमूर्ति एसके मेधी की एकल न्यायाधीश पीठ ने आदेश सुनाया। सैकिया ने कहा कि माननीय अदालत ने उनकी रिट याचिका खारिज कर दी एवं उन्हें कोई राहत नहीं दी, प्रभावी रूप से उन्हें एसटी या अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षित किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने से भी रोक दिया। शरणिया 2014 से एक स्वतंत्र के रूप में संसद के निचले सदन में कोकराझाड़ (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

दण्डनीति से आत्मरक्षा की जा सकती है।
— **आचार्य चाणक्य**

कमाल : राडार को धोखा देने में माहिर स्वदेशी *निर्भय* का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। लंबी दूरी की निर्भय क्रूज मिसाइल का गुरुवार को ओडिशा तट पर सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल को स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज मिसाइल (आईटीसीएम) के रूप में भी जाना जाता है। ये एक स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली और माणिक टर्बोफैन इंजन से लैस है। मिसाइल को बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। परीक्षण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से आयोजित -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : युद्धक्षेत्र के रूप में उभरा जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र

गुवाहाटी। असम में आगामी लोकसभा चुनाव में जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में उभरा है, जो महत्वपूर्ण राजनीतिक महत्व के युद्ध के मैदान में बदल गया है। जोरहाट में प्रतियोगिता ने विशेष रूप से व्यक्तिगत आयाम ले लिया है, क्योंकि यह निर्धारित करेगा कि लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई निर्वाचित सदन में सीट सुरक्षित करते हैं या नहीं। दोनों दलों के बीच प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है, असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंत विश्व शर्मा ने शिवसागर में एक रैली का नेतृत्व किया, जो जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। स्थान का चयन और शर्मा द्वारा अहोम राजाओं की उपाधि स्वर्गदेव का उल्लेख, असम के राजनीतिक परिदृश्य में इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को उजागर करता है। गौरव गोगोई, जिन्होंने हाल ही में परिसीमन प्रक्रिया के बाद अपना ध्यान जोरहाट पर केंद्रित कर दिया है, उनका मुकाबला भाजपा के तपन कुमार गोगोई से है, जो गहरा व्यक्तिगत महत्व रखता है। यह सीट कांग्रेस के लिए प्रतीकात्मक महत्व रखती है, क्योंकि पहले यह सीट गौरव के पिता, तरुण गोगोई के पास थी, जो असम के मुख्यमंत्री थे। हिमंत विश्व शर्मा और तरुण गोगोई के बीच दुश्मनी अच्छी तरह से प्रलेखित है, पार्टी के भीतर आंतरिक संघर्षों -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस का राहुलयान न तो लॉन्च हो रहा और न कहीं उतर रहा : राजनाथ

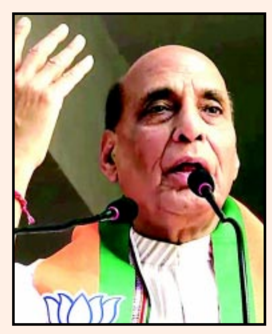

पथानामथिट्टा (केरल)। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। राजनाथ ने राहुल गांधी आरोप लगाया कि 2019 में अमेठी लोकसभा सीट से हार के बाद उनमें इस बार वहां से खड़े होने की हिम्मत नहीं है। सिंह ने कहा कि गांधी अपनी हार के बाद उत्तर प्रदेश से केरल चले गए हैं। भाजपा उम्मीदवार अनिल के एंटनी के लिए समर्थन जुटाने के लिए पथानामथिट्टा लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी बैठक में बोलते हुए उन्होंने दावा किया कि हालांकि, मैंने सुना है कि वायनाड के लोगों ने उन्हें अपना सांसद नहीं बनाने का फैसला किया है। सिंह ने यह भी कहा कि देश में विभिन्न अंतरिक्ष कार्यक्रम और परियोजनाएं -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राज कुंद्रा व शिल्पा शेट्टी की 97.79 करोड़ की संपत्ति जब्त

मुंबई (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार को उद्योगपति राज कुंद्रा और उनकी पत्नी फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की 97.79 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली है। इन संपत्तियों में शिल्पा के नाम पर जुहू स्थित फ्लैट, राज कुंद्रा के नाम पर पुणे स्थित बंगला और इक्विटी शेयर आदि शामिल हैं। ईडी की -शेष पृष्ठ दो पर

रामनवमी की शोभा यात्रा पर पथराव, चार घायल

राज्य में हिंसा फैला रही भाजपा : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान पथराव में चार लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब रामनवमी शोभायात्रा बुधवार की रात 9:10 बजे इगरा के कॉलेज मोड़ से गुजर रही थी, तब कुछ लोगों ने इस पर पथराव किया। फिलहाल इस मामले में चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। इससे पहले मुर्शिदाबाद में भी रामनवमी शोभायात्रा के दौरान पथराव को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना -शेष पृष्ठ दो पर

दूसरा चरण : पर्यवेक्षकों के साथ कांफ्रेंस कर ईसी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने दूसरे चरण के 250 से अधिक पर्यवेक्षकों के साथ आज वीडियो-कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की और उन्हें सुचारू, स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होगा। पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों पर सभी सुविधाएं विशेष रूप से गर्मी से निपटने के लिए सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी ने आप विधायक अमानतुल्लाह खान को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को दस घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। विधायक को दिल्ली वक्फ बोर्ड नियुक्ति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार है। विधायक सुबह 11 बजे ईडी के ऑफिस पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमानतुल्लाह जांच एजेंसी के सामने पेश हुए थे। अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बीच आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और मंत्री आतिशी अमानतुल्लाह खान के घर -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव चिह्न के साथ बार कोड देने का सुप्रीम कोर्ट का प्रस्ताव, ईसीआई का इनकार, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 100 फीसदी ईवीएम-वीवीपीएटी सत्यापन की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न याचिकाकर्ताओं और चुनाव आयोग का पक्ष सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने सुनवाई पूरी की। विदेशों में चुनावी व्यवस्था की बड़ाई करने पर सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिकाकर्ता को रोकते हुए कहा कि आप क्या समझते हैं विदेशों में व्यवस्था ज्यादा अच्छी है। ऐसा मत सोचिए कि विदेशों में व्यवस्था भारत से ज्यादा एडवांस है। इवीएम-वीवीपैट के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुझाव दिया कि अगर हर प्रत्याशी को चुनाव चिह्न के साथ बार कोड दिया जाए तो जब पर्चियां गिननी होती है तो मशीन बारकोड से ही गिनती कर लेती। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि यह संभव नहीं है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ में मामले की सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल के जेल में खाने पर राजनीति, भाजपा बोली शुगर घोटाला, आप बोली साजिश

नई दिल्ली (हि.स.)। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भोजन पर अब राजनीति शुरू हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री शुगर के मरीज हैं और वे जानबूझ कर ऐसा भोजन कर रहे हैं, जिससे उनका शुगर लेबल बढ़े। इसके बाद से भाजपा ने मुख्यमंत्री पर *शुगर घोटाले* का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। हालांकि आम आदमी पार्टी (आप) ने इसका खंडन करते हुए कहा है कि इसका मकसद मुख्यमंत्री के घर का खाना रुकवाना है। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शुगर लेवल की नियमित जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को करने का आदेश दिया। इसी पर ईडी ने कोर्ट के समक्ष अपना पक्ष रखा। प्रवर्तन निदेशालय के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दुनिया के सौ सबसे प्रभावशाली लोगों में अजय बंगा आलिया भट्ट, ओलंपियन साक्षी मलिक शामिल

न्यूयॉर्क (हि.स.)। विश्व की प्रतिष्ठित पत्रिका द्वारा बुधवार को जारी दुनिया के 100 प्रतिष्ठित लोगों में भारतीयों ने बड़ी संख्या में प्रभावशाली हस्तियों की सूची में जगह बनाई है। इस सूची में विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट, माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सीईओ सत्या नडेला, ओलंपियन पहलवान साक्षी मलिक और अभिनेता-निर्देशक देव पटेल शामिल हैं। टाइम के वर्ष *2024 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों* में अमेरिकी ऊर्जा विभाग के ऋण कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक जिगर शाह, येल विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान और भौतिकी की प्रोफेसर प्रियंवदा नटराजन, भारतीय मूल की रेस्तरां मालकिन अस्मा खान एवं रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा यूलिया नवेलनाया भी शामिल हैं। गत वर्ष जून में विश्व बैंक का

अध्यक्ष बनने के बाद से अजय बंगा ने अपनी कार्यशैली से टाइम सूची में जगह बनाई। आलिया भट्ट के बारे में टाइम प्रोफाइल में कहा गया कि वह अद्भुत प्रतिभा के साथ न केवल दुनिया की अग्रणी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो एक दशक से अधिक समय से भारतीय फिल्म उद्योग में अपने काम के लिए प्रशंसा पाने के साथ वह एक व्यवसायी महिला और परोपकारी भी हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला के बारे में कहा गया है, वह हमारे भविष्य को आकार देने में बेहद प्रभावशाली हैं और यह मानवता के लिए अच्छी बात है। ओलंपियन साक्षी मलिक के बारे में ऑस्कर-नामित वृत्तचित्र की निर्माता निशा पाहुजा लिखती हैं कि वह भारत के *सर्वाधिक चर्चित पहलवानों* में से एक थीं, जो महिला एथलीटों के यौन उत्पीड़न के आरोपित एवं भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृज भूषण सिंह की तत्काल गिरफ्तारी और इस्तीफे की मांग के लिए 2023 की शुरुआत में दिल्ली के जंतर-मंतर पर एकत्र हुए थे।

तीसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन पत्र किए दाखिल

गुवाहाटी (हिंस)। गुरुवार को तीसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के दूसरे दिन कई उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। असम गण परिषद के उम्मीदवार जावेद इस्लाम और कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने धुबड़ी लोकसभा सीट से आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने मानकाचर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेस समर्थकों के साथ बेपारीपारा पारघाट से धुबड़ी तक फेरी से पहुंचे। वहीं, एनडीए उम्मीदवार जयंत बसुमतारी भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजग उम्मीदवार जयंत बसुमतारी के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के मौके पर आयोजित एक विशाल रैली में भाग लिया। इसी प्रकार बरपेटा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा गठबंधन के अगप उम्मीदवार फणी भूषण चौधरी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। इस बार देश में सात चरणों में चुनाव होंगे। असम में पहले तीन चरणों में कुल 14 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान होगा। पहले चरण में काजीरंगा, शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और लखीमपुर में 19 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरे चरण में दरंग-उदलगुड़ी, डिफू (सुरक्षित), करीमगंज, सिलचर (सुरक्षित) और नगांव के मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। वहीं तीसरे और अंतिम चरण में सात मई को कोकराझाड़ (सुरक्षित), धुबड़ी, बरपेटा और गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा।

पूसीरे ने बीते वित्तीय वर्ष की माल लोडिंग में निरंतर की प्रगति

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने बीते वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न सामग्रियों के लोडिंग में निरंतर प्रगति हासिल की। बीते वित्तीय वर्ष में 10.24 मिलियन टन (एमटी) माल की लोडिंग हासिल हुई थी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2022-23 की तुलना में बीते वित्तीय वर्ष के दौरान खाद्यान्न लोडिंग में 19.7 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके अलावा, कंटेनर लोडिंग में बीते वर्ष के दौरान 8 फीसदी की वृद्धि हुई। मार्च, 2024 में इस जोन ने 1.059 एमटी लोडिंग की। उक्त महीने के दौरान कुछ वस्तुओं के लोडिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। उक्त महीने में सीमेंट लोडिंग में 35.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो लक्ष्य से 143.3 प्रतिशत अधिक है। पीओएल लोडिंग में 61.9 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि कंटेनर लोडिंग में 15.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। पूसीरे माल लोडिंग कार्य को बढ़ावा देने के लिए सभी संभावित रास्ते तलाश रही है।

अवैध शराब जब्त 11 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कामरूप (मेट्रो) पुलिस और आबकारी विभाग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के खिलाफ कमर कस ली है। पिछले हफ्ते, कामरूप (मेट्रो) आबकारी विभाग ने शहर के विभिन्न हिस्सों में छापा मारा और लगभग 2,910 लीटर देसी शराब, 15,500 किलोग्राम पास (शराब बनाने के लिए तैयार सामग्री) और 22.245 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की। अभियान के दौरान देसी शराब के निर्माण में उपयोग किए गए लगभग 33 उपकरण ऑपरेशन के दौरान नष्ट किए गए हैं।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक लैथोड गन, तीन सिंगल बैरल 12 मिमी बोर राइफल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी सीएमजी, 01 एक आंसू गैस गन, 14 जीवित गोला बारूद राउंड, रबर बुलेट के साथ दो 38 मिमी दंगा विरोधी कारतूस, तीन टियर स्मोक शेल (सीएस), दो इम्प्रोवाइज्ड लांग रेंज मोर्टार तथा एक इम्प्रोवाइज्ड लांग रेंज मोर्टार गोला बारूद लंग्जा क्षेत्र, चुराचांदपुर जिले से बरामद किया गया।

केरल में बर्ड फ्लू से मचा हड़कंप, प्रशासन ने लिया घरेलू पक्षियों को मारने का फैसला

अलाप्पुझा (केरल)। केरल के अलाप्पुझा जिले में दो स्थानों पर बर्ड फ्लू फैलने की सूचना मिली। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि एडथवा ग्राम पंचायत के वार्ड 1 के एक क्षेत्र और चेरुथाना ग्राम पंचायत के वार्ड 3 के एक अन्य क्षेत्र में पाली गई बत्तखों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। बर्ड फ्लू के लक्षण दिखाने वाले बत्तखों के नमूनों

को परीक्षण के लिए भोपाल की एक प्रयोगशाला में भेजे जाने के बाद बीमारी की पुष्टि हुई। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि नमूनों में एवियन इन्फ्लूएंजा (॥5ह1) की पुष्टि हुई है। ऐसे में भारत सरकार की कार्ययोजना के अनुसार जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में जहां पक्षी मिले हैं वहां से एक किलोमीटर के दायरे में घरेलू पक्षियों को मारने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। अधिकारी ने कहा कि एक रैपिड एक्शन फोर्स का गठन किया जाएगा और पशु कल्याण विभाग द्वारा संबंधित तैयारियां जल्द से जल्द पूरी की जाएंगी। जिला प्रशासन ने कहा कि अनावश्यक रूप से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस बीमारी के इंसानों में फैलने की कोई संभावना नहीं है।

मणिपुर पुलिस ने 271 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 271 लोगों को हिरासत में लिया गया। ,पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 237 वाहनों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 283 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 125 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

रामनवमी हिंसा के खिलाफ विहिप ने किया राज्यव्यापी प्रदर्शन का एलान

कोलकाता (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने रामनवमी पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की निंदा करते हुए इसके खिलाफ राज्य भर में प्रदर्शन का एलान किया है। इसके साथ ही मामले की जांच एनआईए से कराने की मांग की है। संगठन की तरफ से लगाया गया है कि तृणमूल के संरक्षण में वहां के जिहादियों ने यह हमला किया, जिसमें दर्जनों हिंदू घायल हुए। विहिप ने घटना के विरुद्ध राज्यव्यापी प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन देने का फैसला किया है। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि मुर्शिदाबाद में रामनवमी के पावन अवसर पर निकली गई शोभायात्रा पर जिहादियों का प्राणघातक हमला आतंकी घटना से कम नहीं है। घरों की छतों से पत्थर फेंके गए, शोभायात्रा में शामिल लोगों पर बम फेंके गए, तलवारों से हमला किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

इंडी गठबंधन का...

भाजपा शासन में ब्रिटेन को पीछे छोड़कर भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नड्डा ने कहा कि भाजपा शासन में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है, इलेक्ट्रानिक उत्पादन तीन गुना बढ़ गया है। ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में जापान को पीछे छोड़कर भारत आज विश्व का तीसरी सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग क्षेत्र बन गया है। 10 वर्ष पूर्व जिस मोबाइल पर लिखा होता था *मेड इन चाइना* आज उस पर *मेड इन इंडिया* लिखा है। स्टील के क्षेत्र में भारत विश्व में दूसरे नंबर पर आ गया है, दवाओं के क्षेत्र में आज भारत दुनिया की डिस्पेंसरी है। भाजपा अध्यक्ष ने इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन परिवारवादियों और भ्रष्टचरियों का जमावड़ा है। एक तरफ प्रधानमंत्री का संकल्प भ्रष्टाचार हटाना है, वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबंधन का उद्देश्य भ्रष्टाचारियों को बचाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में बोफोर्स, अगस्ता वेस्टलैंड, पनडुब्बी, चावल, चीनी, कोयला, हेलीकाप्टर, 2जी और 3जी सहित कई घोटाले किए। अखिलेश, ममता बनर्जी, के. कविता, अरविंद केजरीवाल और एमके स्टालिन सहित इंडी गठबंधन के तमाम नेताओं पर भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन जेल में हैं। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव बेल पर बाहर हैं तथा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और केजरीवाल के खिलाफ केस चल रहे हैं। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, असम भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भवेश कलिता, राज्य के मंत्री अतुल बोरा, राज्य के मंत्री अशोक सिंघल, उम्मीदवार दिलीप सैकिया, उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

पहले चरण का मतदान ...

महिलाएं और 11371 ट्रांसजेंडर है। 35.67 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त 3.51 करोड़ युवा मतदाता हैं, जिनकी आयु 20 से 29 वर्ष है। इस चरण में 85 वर्ष की आयु से अधिक के 14.14 लाख मतदाता हैं। 13.89 लाख दिव्यांग मतदाता है। चुनाव आयोग ने सुचारू, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। आयोग की ओर से 41 हेलीकॉप्टर, 84 विशेष ट्रेन और करीब एक लाख चार पहिया वाहन तैनात किए गए हैं। जो मतदान केन्द्रों पर अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही सुनिश्चित करेंगे। आयोग के अनुसार करीब 50 प्रतिशत मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग की जाएगी। 661 पर्यवेक्षक तैनात होंगे। इनमें 127 सामान्य पर्यवेक्षक, 67 पुलिस पर्यवेक्षक और 167 व्यय पर्यवेक्षक हैं। ये चुनाव आयोग की आंख, कान और नाक की भूमिका निभाएंगे। अंतर्राज्यीय सीमाओं पर 1375 और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 162 चेक पोस्ट बनाई गई हैं, ताकि अवैध सामग्री की आवाजाही न हो। पहले चरण में लोकसभा के लिए अरुणाचल प्रदेश की सभी दो, असम की 14, बिहार की चार, छत्तीसगढ़ की 11, मध्य प्रदेश की छह, महाराष्ट्र की पांच, मणिपुर की दो, मेघालय की सभी दो सीट, मिजोरम की एक, सिक्किम की एक, नगालैंड की एक, राजस्थान की 12, तमिलनाडु की सभी 39, त्रिपुरा की एक सीट, उत्तर प्रदेश की आठ, लक्षद्वीप की एकमात्र, पुडुचेरी की एकमात्र, उत्तराखंड की सभी पांच, पश्चिम बंगाल की तीन, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर मतदान होगा।

ईसी ने मतदाताओं ...

लिए कहा है। लोकसभा में पहले चरण का मतदान कल होगा। शुक्रवार 19 अप्रैल सुबह सात बजे से छह बजे तक 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान होगा। आयोग ने चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। चुनाव पूर्व संदेश में राजीव कुमार ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की गौरवशाली अभिव्यक्ति है। इससे बेहतर कुछ नहीं है। लोगों के मतदान को सहज और सुलभ बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ी तैयारियां की हैं। उनकी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। चुनाव अधिकारी लोगों का विनम्रता के साथ मतदान के लिए इंतजार कर रहे हैं। जनता जरूर वोट करे। उन्होंने महात्मा गांधी के उद्धरित शब्दों को दोहराया, जिसमें वे कहते हैं कि मतदान कमजोर को मजबूत लोगों के साथ समान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि एक वोट से सरकारें गिरती हैं। अपने वोट की कीमत का एहसास आपको ईवीएम का बटन दबाने पर होगा।

कमाल : राडार को...

किया गया था। इस सफल उड़ान परीक्षण ने गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली के विश्वसनीय प्रदर्शन को भी स्थापित किया। परीक्षण के दौरान हथियार की सभी उप प्रणालियों ने उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन किया। मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (ईओटीएस) और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी। मिसाइल ने वेपॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और बहुत कम ऊंचाई वाली समुद्री-स्किमिंग उड़ान का प्रदर्शन किया। मिसाइल की उड़ान की निगरानी आईएएफ एसयू-30-एसके-1 विमान द्वारा भी की गई। बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है। सुपरसोनिक हथियार को बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई) द्वारा अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और स्वदेशी उद्योगों के योगदान से विकसित किया गया है।

लोस चुनाव : युद्धक्षेत्र के...

के कारण शर्मा का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना। इस प्रकार जोरहाट की लड़ाई असम के राजनीतिक क्षेत्र के भीतर विरासत और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के टकराव का प्रतिनिधित्व करती है। भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा किए गए परिसीमन अभ्यास ने गौरव गोगोई को अपने पिछले निर्वाचन क्षेत्र कलियाबोर से जोरहाट में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों के पुनर्वितरण के कारण यह कदम आवश्यक हो गया, जिससे गोगोई को अपने पिता की राजनीतिक विरासत में शरण लेने के लिए प्रेरित होना पड़ा। असम में एक मजबूत संगठनात्मक ढांचे से उत्साहित भाजपा ने जोरहाट में एक कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, जिसमें तपन गोगोई को समर्थन मिल रहा है और पूर्व कांग्रेस सदस्य सुशांत बोरगोहेन से उन्हें बढ़ावा मिल रहा है, जो भगवा पार्टी में शामिल हो गए हैं। अपने पिता की विरासत के वजन और कांग्रेस पार्टी के समर्थन के बावजूद, गौरव गोगोई को जोरहाट में एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। मतदाता 19 अप्रैल को अपने वोट डालेंगे, जो जोरहाट में गोगोई बनाम गोगोई लड़ाई के भाग्य का फैसला करेंगे, जो असम के राजनीतिक परिदृश्य के भीतर लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक तनाव और व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता को समाहित करता है।

राज्य में हिंसा फैला...

पड़ा। उन्होंने कहा कि इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हम मामले की जांच कर रहे हैं। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। भाजपा नेता और मिदनापुर से पार्टी के उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने इस पथराव का विरोध करते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इसके अलावा मुर्शिदाबाद में भी बुधवार को रामनवमी शोभायात्रा के दौरान झड़प होने की घटना सामने आई। शोभायात्रा पर छतों से पथराव होने से करीब 20 लोग घायल हुए हैं। रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव को लेकर भाजपा ने बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को घेरा। इसके साथ ही भाजपा ने राज्य पुलिस पर बदमाशों का साथ देने का आरोप भी लगाया है। भाजपा की बंगाल इकाई ने आरोप लगाया है कि रैली पर पथराव किया गया और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। घटना के बाद, इलाके में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रायगंज में रैली के दौरान राम नवमी के दिन पथराव के पीछे भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल में रामनवमी के दौरान भाजपा ने हिंसा फैलाई। ममता ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा की साजिश पहले से ही बनाई गई थी और आरोपी भगवा पार्टी हैं। उन्होंने बताया कि मुर्शिदाबाद में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान विस्फोट हुआ, जिसमें एक महिला की मौत हो गई। सीएम ममता ने कहा कि सब कुछ पूर्व नियोजित था। राम नवमी के एक दिन पहले ही मुर्शिदाबाद के डीआईजी को हटा दिया गया, जिससे कि वे (भाजपा) राज्य में हिंसा भड़का सके।

दूसरा चरण : पर्यवेक्षकों ...

दूसरे चरण के लिए 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सभी ने नामांकन की अंतिम तिथि यानी 3 अप्रैल से पहले निर्वाचन क्षेत्रों में रिपोर्ट किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू ने सभी पर्यवेक्षकों से सख्ती से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए सभी सुविधाएं हों। उनसे कहा कि वे विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि गर्मी से निपटने के पर्याप्त उपाय हों, मतदान केंद्र के करीब कोई प्रलोभन न दिया जाए, बलों का इष्टतम उपयोग हो और कानून व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

ईडी ने आप विधायक ...

पहुंच रहे हैं। ये भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड के धन का दुरुपयोग किया है। दिल्ली वक्फ बोर्ड के तत्कालीन सीईओ ने इस तरह की अवैध भर्ती के खिलाफ बयान जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अमानतुल्लाह खान गुरुवार सुबह 11 बजे तुगलक रोड स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे, जहां उनसे 10 घंटे तक पूछताछ की गई। इस मामल में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सितंबर 2022 में अमानतुल्लाह से पूछताछ की। इसी के आधार पर एसीबी ने चार जगहों पर छापे मारे। करीब 24 लाख रुपए कैश बरामद किया गया। इसके अलावा, दो अवैध और बिना लाइसेंस की पिस्टल मिली थीं। कारतूस और गोला-बारूद भी बरामद किया था। बाद में अमानतुल्लाह को गिरफ्तार कर किया गया था। उनके खिलाफ सुबूतों और आपत्तिजनक सामग्री के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में उन्हें उन्हें 28 दिसंबर 2022 को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कांग्रेस का राहुलयान न तो ...

शुरू की जा रही हैं, लेकिन कांग्रेस के युवा नेता की लॉन्चिंग पिछले 20 वर्षों से नहीं हुई है। उन्होंने वायनाड से कांग्रेस सांसद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का *राहुलयान* न तो लॉन्च हुआ है और न ही कहीं उतरा है। अपने भाषण के दौरान, सिंह ने कांग्रेस के दिग्गज नेता ए के एंटनी की प्रशंसा की और उन्हें एक अनुशासित और सिद्धांतवादी व्यक्ति बताया जिनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने कहा कि उन्हें एंटनी का यह बयान पढ़कर आश्चर्य हुआ कि अनिल एंटनी को लोकसभा चुनाव हारना चाहिए। मैं जानता हूं कि वह (एके एंटनी) एक सिद्धांतवादी व्यक्ति हैं और मैं उनकी मजबूरियों को समझता हूं। उनके लिए अनिल एंटनी का समर्थन करना मुश्किल है। हालांकि, मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि अनिल उनके बेटे हैं। सिंह ने कहा कि आप (एके एंटनी) उन्हें (अनिल) वोट नहीं दे सकते या उनके लिए वोट नहीं कर सकते, लेकिन आप उनके पिता हैं इसलिए मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि आपका आशीर्वाद उनके साथ रहे। केरल में लोकसभा चुनाव 26 अप्रैल को होंगे और नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव चिह्न के साथ...

कोर्ट ने कहा कि हम इस पर विवाद नहीं कर रहे हैं कि यह मौलिक अधिकार है, लेकिन अति संदेह कि यहां जरूरत नहीं है। जस्टिस खन्ना ने नाराजगी जताते हुए कहा कि भूषण जी, चाहे वीवीपीएट मशीन पर पारदर्शी, ट्रांसपैरेंट ग्लास हो या बल्ब हो, आप इसे बहुत दूर ले जा रहे हैं। बल्ब आपको यह देखने में मदद करता है, बस इतना ही है। गणना नियंत्रण इकाई द्वारा की जाती है। हर बार जब वोट डाला जाता है, तो पर्ची गिर जाती है और मतदान अधिकारी द्वारा कुल का सत्यापन किया जाता है। अब हर चीज पर संदेह नहीं किया जा सकता है। आप हर चीज के प्रति आलोचनात्मक नहीं हो सकते। यदि कोई स्पष्टीकरण दिया गया है तो आपको उसकी सराहना करनी चाहिए। भूषण जी, किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है, यदि कुछ सुधार लाया जाता है तो वे आपको तब तक क्यों समझाएंगे, जब तक कि यह वैध न हो जाए। बल्ब लगाना है या नहीं या चमक आदि का निर्णय उन्हें करना है। सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर के वकील प्रशांत भूषण को कड़ी फटकार लगाई और कहा हमें भी आपकी आशंकाओं पर चिंता है। यही वजह है कि हम सुनवाई कर रहे हैं, लेकिन आप बेसिर-पैर के आरोप नहीं लगाएं, जो आधारहीन हों। मनिंदर सिंह ने कहा कि धारा 61ए भी देखें। पहले दायर एक याचिका जिसमें 100 फीसदी ईवीएम-वीवीपेट मिलान की मांग की गई थी, वह खारिज कर दी गई। उनके पास गलत जानकारी थी। इसलिए ईवीएम मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले याचिकाकर्ताओं पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। जर्मनी के संदर्भ में कई मतभेद हैं। वे हमारे लिए स्पेशल हैं और पूरी तरह से टिकाऊ हैं। मनिंदर सिंह ने कहा कि स्वतंत्र रूप से काम कर रहे एक्सपर्ट के साथ टेक्निकल एक्सपर्ट की कमेटी बनाई जाती है। वोटिंग खत्म होने के बाद मैचिंग की जाती है। अगर कोई मैच होता है तो वोटर टर्नआउट ऐप के अनुमान पर आधारित होता है। जस्टिस खन्ना ने पूछा कि इससे पता चलता है कि संसदीय समिति को भी जानकारी नहीं है। मनिंदर सिंह ने कहा कि आप मैकेनिज्म पर विचार कर रहे हैं, वोटर टर्नआउट ऐप आपके सामने नहीं रखा गया। इसका ईवीएम से कोई लेना-देना नहीं है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि अगर ये आपके लिए परेशानी खड़ी करता है, तो इसे इस्तेमाल क्यों करते रहें? मनिंदर सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग 1-2 साल पहले चुनाव की तैयारी शुरू कर देता है। जस्टिस खन्ना ने पूछा कि अगर एक वोटर को बैलट पेपर चाहिए और दूसरे को नहीं, तो आप इसे कैसे मैच करेंगे। तब तो इसका गलत इस्तेमाल होगा। मनिंदर सिंह ने कहा कि इसकी जरूरत क्या है, ईवीएम का प्रभाव भी देखिए। निर्वाचन आयोग के वकील ने अदालत में फिर दोहराया कि ईवीएम स्टैंडअलोन मशीनें हैं। हैक या छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। वीवीपीएट को दोबारा डिजाइन करने की जरूरत नहीं है। मैन्युअल गणना में मानवीय त्रुटि से इंकार नहीं किया जा सकता है। मौजूदा व्यवस्था में मानवीय भागीदारी न्यूनतम हो गयी है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा क्या यह संभव हो सकता है कि बारकोड की व्यवस्था की जाए। चुनाव आयोग ने कहा कि यह संभव नहीं है।

केजरीवाल के जेल ...

पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री का डाइट चार्ट अदालत के सामने रखा है। डाइट चार्ट में आम और मिठाइयां थीं। हमने इसे अदालत के सामने रखा है। वह विशेष रूप से मीठा भोजन खा रहे थे, जिसकी किसी भी मधुमेह रोगी को अनुमति नहीं है। मामला न्यायालय के समक्ष लंबित है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाते हुए मुख्यमंत्री पर शुगर घोटाले का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि केजरीवाल का शुगर घोटाला सामने आया है। डायबिटिक होने के बावजूद वे जेल में मीठा भोजन खा रहे हैं। इसमें आम, मीठे फल, मिठाइयां, चावल, आलू पूड़ी और चौलाई के लड्डू शामिल हैं। वो चाहते हैं कि उनका शुगर लेवल बढ़ जाए ताकि उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिल जाए। केजरीवाल अपनी क्रिमिनल साजिशों से चार्ल्स शोभराज को भी मात दे रहे हैं। इसके जवाब में दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया है कि ईडी मुद्दा बनाकर मुख्यमंत्री को मिल रहा घर का खाना बंद कराना चाहती है। मुख्यमंत्री ने एक बार आलू पूरी खाई है। यह नवरात्रि का प्रसाद है। ईडी का मकसद उनका घर का खाना रुकवाना है। इससे उन्हें जेल का खाना दिया जाएगा। असल में मुख्यमंत्री को तिहाड़ जेल का खाना खिलाकर मारने की साजिश रची जा रही है।

राज कुंद्रा व ...

टीम मामले की छानबीन कर रही है। ईडी सूत्रों के अनुसार शिल्पा शेट्टी के पति रिपुसूदन कुंद्रा उर्फ राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ रुपए की अचल व चल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया है। यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। कार्रवाई से फिल्म जगत में खलबली मच गई है। हालांकि अभी तक इस मामले में शिल्पा शेट्टी अथवा राज कुंद्रा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस ने पॉर्न फिल्म बनाने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी राज-शिल्पा दंपति के विरुद्ध धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए एक्ट) के तहत छानबीन कर रही है।

मोरीगांव में कांग्रेस ...

मोरीगांव जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि जगीरोड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। बरदलै की टीम ने भारत चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है और घटना की जांच की मांग की है। बरदलै ने क्षतिग्रस्त कार्यालयों की तस्वीरें साझा करते हुए आरोप लगाया कि यह सत्तारूढ़ भाजपा की करतूत है। जगीरोड निर्वाचन क्षेत्र के भीतर हमारे कांग्रेस मंडल कार्यालयों को बर्बरता और विनाश का सामना करना पड़ा। यह कृत्य इस बात का उदाहरण है कि भाजपा किस हद तक हताशा से बाहर निकलने को तैयार है। लोकसभा सांसद ने कहा कि भाजपा के प्रयासों के बावजूद, लचीले कांग्रेस कार्यकर्ता दृढ़, निडर और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। नगांव में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

गौहाटी एचसी ने ...

का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्होंने 7 मई को चुनाव होने पर उसी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने 12 जनवरी, 2024 के एसएलएससी के *स्पीकिंग ऑर्डर* को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें एसटी (पी) समुदाय से संबंधित नहीं माना गया था। राज्य के जनजातीय मामलों के विभाग (मैदान) ने बाद में 20 जनवरी को एक आदेश पारित कर शरणिया के जाति प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया, जो उन्हें 17 अक्तूबर, 2011 को जारी किया गया था। सरानिया ने तर्क दिया कि वह बोड़ो, कछाड़ी समुदाय से हैं, जिसने एसटी (पी) का दर्जा अधिसूचित किया है और उसी समुदाय के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य हैं।

अब शांति और विकास की धरती बन गई है कोकराझाड़ : नड्डा

कोकराझाड़ में एनडीए समर्थित उम्मीदवार जयंत बसुमतारी के समर्थन में की सभा

कोकराझाड़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस के शासनकाल में जो कोकराझाड़ आंदोलन की धरती बन गया था, वह आज शांति की धरती बन गया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने काम किया है। जेपी नड्डा गुरुवार को कोकराझाड़ में एनडीए समर्थित यूपीपीएल के उम्मीदवार जयंत बसुमतारी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ में बम धमाका, सड़क जाम, बंद, हड़ताल आदि की खबरें होती थीं। उस समय कोकराझाड़ की पहचान आंदोलन के धरती की तरह बन गई थी लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के प्रयासों से यह शांति और विकास की धरती बन गई है। उन्होंने कहा कि फैसले लेने में माहिर प्रधानमंत्री मोदी तथा उसे अमल करने में एक्सपर्ट अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा और यूपीपीएल के प्रमुख प्रमोद बोड़ो के सहयोग से यहां शांति की स्थापना हुई। जनवरी 2020 में बोड़ो शांति समझौता के जरिए इस सदी का एक ऐतिहासिक समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में भाई को भाई से लड़ा कर भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा था। आपस में खूनी संघर्ष हुआ करते थे लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र से सारे भ्रष्टाचार के खेल को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के प्रयासों से पूर्वोत्तर में उग्रवाद का एक प्रकार से सफाया हो गया है। उग्रवादी संगठन के सदस्य मुख्य धारा में शामिल कर दिए गए और पूरे क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसे अष्टलक्ष्मी कहा। साथ ही उन्होंने इसके आठ आधार शांति, स्पोर्ट्स, हाइड्रो पावर जेनरेशन, 5जी कनेक्टिविटी, ऑर्गेनिक फार्मिंग, कल्चरल प्रोटेक्शन तथा टेरिटोरियल प्रोटेक्शन आदि को बताया। उन्होंने कहा कि 1500 करोड़ रुपए बोड़ो एकॉर्ड के तहत खर्च करके स्थाई शांति बोड़ोलैंड में बहाल की गई। उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर के 90 फीसदी इलाके से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (आफ्सपा) हटाया जा चुका है। 5 लाख करोड़ रुपए पूर्वोत्तर के विकास पर पिछले 5 साल में खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लुक ईस्ट के साथ-साथ एक्ट ईस्ट, एक्ट फर्स्ट तथा एक्ट फास्ट की पॉलिसी अपनायी। यही वजह है कि पिछले 9 साल में पूर्वोत्तर में 6 हजार किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग 3 लाख करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए। 6 हजार गांवों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा गया। असम में रेलवे का विस्तार चार गुणा कर दिया गया। पिछले 5 साल में आठ एयरपोर्ट बनाए गए। इनमें से तीन एयरपोर्ट असम में बनाए गए। नॉर्थ ईस्ट ट्रांसफार्मेशन एंड इंडस्ट्रियलाईजेशन स्कीम के तहत 10 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए। जेपी नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में दसवें स्थान पर थी, आज पांचवे स्थान पर आ चुकी है। उन्होंने कहा कि अगले 5 साल में भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर चली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए नरेंद्र मोदी दिन-रात प्रयास कर रहे हैं। इसलिए एनडीए समर्थित उम्मीदवारों को विजयी बनाकर नरेंद्र मोदी के अभियान को आगे बढ़ाएं। एनडीए के उम्मीदवारों की रैली में नड्डा के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो समेत पार्टी के उम्मीदवार तथा बड़ी संख्या में पार्टी के नेता, विधायक व मंत्री आदि मौजूद रहे। गुरुवार को जेपी नड्डा ने असम में दो कार्यक्रमों को संबोधित किया। जेपी नड्डा गुरुवार सुबह 11 बजे धुबड़ी के रूपही हवाई अड्डे पर उतरे। वहां से 11.30 बजे वे कोकराझाड़ पहुंचे और रोड शो करते हुए रैली स्थल तक पहुंचे। कोकराझाड़ में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद नड्डा वहां से दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के रौता पहुंचे। रौता में भी उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया।

बिष्णुपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल (हिंस)। म्यांमार की सीमा से सटे मणिपुर के जिलों में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में राज्य के सीमावर्ती बिष्णुपुर जिले से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक खाली मैगजीन के साथ एक कार्बाइन, तीन खाली मैगजीन के साथ दो पिस्तौल, एक रिवॉल्वर, एक फ्लेयर पिस्तौल, लगभग 1.4 किग्रा वजनी एक आईईडी, तीन 21 मिमी एचई मोर्टार शेल, एक 51 मिमी एचई मोर्टार शेल, दो *2 स्मोक शेल, एक 2* मोटर इलू गोला बारूद, डेटोनेटर के बिना चार एचई हैंड ग्रेनेड, एक पीईके (प्लास्टिक विस्फोटक) आईईडी बम, 107 जीवित कारतूस, पांच बैलिस्टिक कारतूस, एक आईईडी रिमोट कंट्रोल, 16 आईईडी फ्यूज, एक भारी मोर्स कुंजी, आईईडी के लिए 3.5 मिमी प्लग के साथ सीडब्ल्यू कुंजी, दो वॉकी टॉकी सेट मोटोरोला, एक आईकॉम वॉकी टॉकी, एके-47 की दो खाली मैगजीन, आठ यूएसए कार्बाइन चार्जर, 24 एचई डेटोनेटर, बारह 7.62 कारतूस चार्जर, पांच .303 चार्जर, दो ट्यूब लांचर दो रिंगों के साथ, 36 एचई हैंड ग्रेनेड लीवर में से एक तथा तीन हेलमेट बिष्णुपुर जिले के एगेजांग गांव और इरेंगबाम मनिंग से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

मणिपुर सीएम ने लोगों से की बीजेपी को वोट देने की अपील

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मणिपुर के लोगों से राज्य की *क्षेत्रीय अखंडता को अक्षुण्ण* बनाए रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि *बाहर से लोगों को शामिल करके राज्य की जनसांख्यिकी को असंतुलित करके* राज्य को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परसों जो कुछ भी कहा कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए। उन्होंने बहुत ही सार्थक शब्दों का प्रयोग किया। बाहर से लोगों को लाकर मणिपुर की जनसांख्यिकी को असंतुलित करके उसे नष्ट करने का प्रयास किया गया।

असम एटीएस ने ड्रग्स के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टॉक्स फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने दिसपुर थाना क्षेत्र के खानापाड़ा इलाके में अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने गुरुवार को बताया कि इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में दिसपुर थाना क्षेत्र के खानापाड़ा इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया। 29 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर भर कर रखे गए ड्रग्स बरामद किए गए हैं। बरामद ड्रग्स का वजन लगभग 41 ग्राम आका गया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर की पहचान मोहम्मद निजामुद्दीन (25, बोको) के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से ड्रग्स के अलावा दो मोबाइल फोन और नगद 760 रुपए जब्त किया हैं। गिरफ्तार आरोपी को एसटीएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

लोकसभा चुनाव : पहले चरण में राज्य की पांच सीटों पर आज होगा मतदान, तैयारियां पूरी

गुवाहाटी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को असम की पांच सीटों पर मतदान होगा। प्रशासन ने चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इस चुनाव में राज्य के 86,47,869 वयस्क मतदाता 35 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव आयोग ने सभी मतदाताओं से वोट डालने का आग्रह किया है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी अनुराग गोयल ने गुरुवार को मीडिया को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 10 हजार 001 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, इनमें से 92 मॉडल मतदान केंद्र हैं। 11 पीडब्ल्यूडी-प्रबंधित मतदान केंद्र हैं और 752 महिला-प्रबंधित मतदान केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के कानून-व्यवस्था, खर्च आदि पर कड़ी निगरानी रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए मतदान दिवस की कार्रवाई की निगरानी के लिए सीईओ, असम ने लाइव मॉनिटरिंग और वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। राज्य के 5509 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। वेबकास्टिंग के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी मतदान के दिन मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया की लाइव निगरानी कर सकेंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी गोयल ने बताया कि मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) जैसे पीने का पानी, पर्याप्त फर्नीचर, प्रतीक्षा शेड, शौचालय, प्रकाश, बच्चों के लिए क्रेस का प्रावधान, उचित साइनेज, पीडब्ल्यूडी मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप का प्रावधान किया गया है इसके अलावा, अन्य आईटी एप्लिकेशन जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, केवाईसीईसीआई ऐप, सी विजिल ऐप और चुनाव हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं के लाभ के लिए 1950 पर कॉल किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि दस हजार एक बूथों पर कुल चालीस हजार चार मतदान और पीठासीन अधिकारी तैनात किए गए हैं।

कई क्षेत्रों में कांग्रेसी उम्मीदवार मीरा बरठाकुर ने जोर-शोर से चलाया चुनाव प्रचार अभियान

नगरबेरा (विभास)। इस बार लोग स्वस्थ लोकतांत्रिक सरकार बनाने की जल्दी में निकलेंगे। ऐसी सरकार बनाएं जो संवैधानिक अधिकारों, बोलने के अधिकार के लिए खुद फैसला कर सके। आज बोको-छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के बरुआ बालीझार, बामुनबाड़ी, हेखरा, नगरबेरा, पलहरतरी, विद्यानगर आदि स्थानों पर आयोजित चुनाव प्रचार रैलियों में यह बात कही। आगामी लोकसभा चुनाव में नंबर 5 लोकसभा सीट के लिए विपक्ष ऐक्य मंच द्वारा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार मीरा बोरठाकुर। गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में चुनाव प्रचार कर मतदाताओं को भारी समर्थन मिलने का जिक्र करते हुए मीरा बरठाकुर ने कहा कि इस बार विपक्षी ऐक्य मंच निश्चित रूप से सरकार बनाएगा। असम की 14 लोकसभा सीटों में से 10 से ज्यादा जीतेगा। मीरा बरठाकुर ने कहा कि विपक्षी ऐक्य मंच को ज्यादा सीट मिलेगी और गुवाहाटी लोकसभा सीट पर भी विपक्षी ऐक्य मंच के उम्मीदवार के रूप में लोग मूल्यों की राजनीति स्थापित करने के लिए अंतरात्मा की आवाज पर वोट देंगे। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार के शासन में जनता असंतुष्ट हो गई है। भाजपा सरकार केवल बाकी और खामियों के साथ चल रही है। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में मीरा बरठाकुर ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना करते हुए कहा कि छह महीने पहले मुख्यमंत्री ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के 16,700 लोगों को एजीपी में शामिल किया था। मुख्यमंत्री ने अतुल बोरा को समय पर वाजपेयी भवन में बैठने के लिए भी भेजागा। वाजपेयी भवन 2026 के चुनाव से पहले एजीपी भवन होगा। मुख्यमंत्री एजीपी और एआईयूडीएफ के साथ मिलकर एजीपी के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करेंगे और भाजपा पार्टी को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। मीरा बरठाकुर ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर कटाक्ष किया, जिस पर वह खाते हैं उस पत्ते को गंदा करते हैं। बैठक में स्थानीय विधायक नंदिता दास ने कहा कि वह भाजपा सरकार पर बरसते हैं और लोगों से केंद्र में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के हित में प्रतिष्ठित गुवाहाटी लोकसभा सीट की उम्मीदवार मीरा बरठाकुर को भारी अंतर से जीतने की अपील करते हैं। बैठक में कामरूप जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष धनेश्वर बायन, महासचिव धर्मचंद जैन, अब्दुल बारिक, सचिव मिर्जा बाबर, कामरूप जिला महिला कांग्रेस के महासचिव आलिया यास्मीन, समरिया ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष नाजिरा बेगम, समरिया ब्लॉक कांग्रेस के महासचिव अब्दुल मजिद मंडल व मंडल कांग्रेस, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल, बूथ कमेटी व पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्वनाथ में मतदान को लेकर कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना हुए कर्मचारीगण

जिला निर्वाचन क्षेत्र में 20 मतदान केंद्रों को संचालित करेंगी महिलाएं

विश्वनाथ (विभास)। 11वें शोणितपुर लोकसभा क्षेत्र के 70वें विश्वनाथ और 71वें बिहाली (अनुसूचित जाति) विधानसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होगा। आज सुबह 6 बजे से विश्वनाथ में जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर में 42 काउंटर अस्थायी रूप से स्थापित किए गए थे। विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए 24 काउंटर और बिहाली विधानसभा क्षेत्र के लिए 18 अलग-अलग काउंटर दोपहर तक पीठासीन और मतदान अधिकारियों द्वारा स्थापित किए गए थे। इस चुनाव में विश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत विश्वनाथ और बिहाली दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1,820 अधिकारियों और कर्मचारियों को पीठासीन और मतदान अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव कल सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक बिश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र में होंगे। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। जिला प्रशासन ने मतदान अवधि के दौरान समग्र कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक पुलिस स्टेशन स्तर पर चार कार्यकारी मजिस्ट्रेट और दो निर्वाचन क्षेत्र मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। पुलिस और नागरिक दोनों क्षेत्रों में 42 सेक्टर अधिकारी और 12 जोनल अधिकारी हैं। किसी भी सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशनों के प्रभारी अधिकारियों को भी हर समय अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव बिश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र के तहत बिश्वनाथ और बिहाली (एससी) विधानसभा क्षेत्रों में होंगे। वहीं विश्वनाथ और बिहाली दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 28 माइक्रो पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। जिसमें विश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र में अब तक चुनाव ड्यूटी के लिए बड़े और छोटे दोनों तरह के 350 वाहनों का उपयोग किया गया है। बसें, ट्रैवलर्स, मिनी बसें और अन्य हल्के वाहन भी को रखा गया है। विश्वनाथ जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव ने चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए हर संभव प्रयास किया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला आयुक्त ने सभी मतदाताओं से 19 अप्रैल को निर्धारित समय पर अपने मतदान केंद्रों पर जाने का आग्रह किया।

नीलाचल वेद विद्यापीठ, गुवाहाटी में उपनयन संस्कार कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी। आनंद निकेतन ट्रस्ट द्वारा कालीपुर गुवाहाटी में स्थापित नीलाचल वेद विद्यापीठ के प्रथम सत्र के बटुक छात्रों का उपनयन संस्कार समारोह संपन्न हुआ। ज्ञात हो राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभावसर पर नीलाचल वेद विद्यापीठ का शुभारम्भ किया गया था। राम नवमी के पावन अवसर पर नव प्रवेशित बटुक छात्रों का उपनयन संस्कार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आनंद निकेतन आश्रम परिसर में स्थित मंदिर में गृह शांति यज्ञ, गुरु पूजन, यज्ञोपवीत, मंत्र दीक्षा, दंड धारण और भिक्षाटन संपन्न हुआ। समारोह में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेशना भट्टाचार्या, विद्या भारती पूर्वोतर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री योगेन्द्र सिंह सिसोदिया, आनंद निकेतन ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी सदा दत्त एवं प्रमुख मनोज कलिता सहित अन्य गणमान्य लोग समारोह में उपस्थित हुए।

रंगिया : मतदाता जागरूकता के लिए पाक कला प्रतियोगिता सह आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया निर्वाचन जिले में व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन में भागीदारी (एसवीईईपी) के तहत मतदाता जागरूकता के लिए आज रंगिया बर्मीज फील्ड में एक पाक कला प्रतियोगिता सह आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोकतंत्र के इस उत्सव के रंगारंग और अनूठे कार्यक्रम में रंगिया जिला निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के 26 से अधिक व्यक्तिगत और समूह प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए रंगिया के महकमाधिपति तथा जिला निर्वाचन अधिकारी देबाशीष गोस्वामी ने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचने और मतदाताओं को 26 अप्रैल को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की।

नगांव में कलश यात्रा के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

नगांव (निसं)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में नगांव श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में आगामी 20 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चार दिवसीय विराट मेले का आयोजन हैबरगांव के धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में बड़े ही धूमधाम एवं भक्तिमय माहौल में आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व आज वृहस्पतिवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत पावन नद ब्रह्मपुत्र का जल सिलघाट से लाकर श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर से 301 कलशो में भरकर कलश यात्रा का आयोजन किया गया। उक्त कलश यात्रा नेहरू वाली स्थिति श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर प्रांगण से आरंभ होकर श्री हनुमान मंदिर तक जुलूस के रूप में आई जिसमें सैकड़ों की मात्रा में महिलाएं लाल, पीली, केसरिया साड़ी पहनकर माथे पर कलश लेकर बाबा की जय कार लगाते हुई दिखाई दे रही थी। एक दो तीन चार बालाजी की जय जयकार, बच्चा बच्चा करे पुकार बालाजी की जय जयकार जैसे गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं कुर्ता पयजामा धारण किए पुरुष वर्ग जय श्री राम के नारे लगाते हुए आगे चलते दिखाई दिए। इससे पूर्व नेहरू वाली स्थित श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर में कलश तथा जल की विधिवत पूजा अर्चना एवं आरती की गई है। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा ने पूजा अर्चना की तथा कलश यात्रा में सर पर कलश रखकर सबसे आगे चलते हुए यात्रा की अगुवाई की। इस समय श्रीराम दरबार की सजीव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इसी जल तथा दूध, दही, शहद, शक्कर एवं अन्य सामग्रियों से बाबा का महाभिषेक कर पंचामृत का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। जिसमें समिति के सभी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। श्री हनुमान मंदिर संचालन समिति के संयोजक महेश कुमार गाड़ोदिया ने बताया कि श्री हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम में इस वर्ष चैत्र शुक्ल पूर्णिमा से आरंभ नही होकर चैत्र शुक्ल पूर्णिमा के दिन समापन किया जयेगा और यह इस वर्ष लोकसभा चुनाव नगांव में 26 अप्रैल को होने के कारण किया जा रहा है। चार दिवसीय जन्मोत्सव के दौरान मंदिर परिसर तथा अंजनी पुत्र श्री हनुमान जी के विग्रह को भी विशेष रुप से फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर के आसपास के इलाके को रंग बिरंगी विद्युत की रोशनी एवं सजावट के साथ पूरे इलाके को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के संयुक्त सचिव पवन कुमार आलमपुरिया ने धर्म प्रेमियो से अनुरोध किया है कि सभी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव की गरिमा में श्रीवृद्धि करे।

संपादकीय

मायावती का 'अलग राज्य'

बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिमी उप्र को एक अलग, स्वायत्त राज्य बनाने का मुद्दा उछाला है। जब मायावती 2007-12 के दौरान उप्र की मुख्यमंत्री थीं, तब भी वह इस मुद्दे पर मुखर थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और उनके बाद भी इसी भूक्षेत्र को 'हरित प्रदेश' नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़े गए थे। 'हरित प्रदेश' राष्ट्रीय लोकदल के महत्वपूर्ण मुद्दों में एक था। चूंकि पश्चिमी उप्र जाट, किसान, गुर्जर बहुल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनियादी पेशा कृषि है, लिहाजा 'हरित प्रदेश' नाम देने की बार-बार बात कही गई, लेकिन अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उसकी भावुकता 'हरित प्रदेश' से न जुड़ कर राजनीतिक और चुनावी अधिक है। बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है। आयोग राज्यों के विभिन्न विवादों का भी निपटान करता है। अलग राज्य बनाने के पीछे राजनीतिक समर्थन ही पर्याप्त नहीं, एक स्वतंत्र प्रशासनिक ईकाई स्थापित करना ही मकसद नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति अहम कारक होते हैं। आंध्रप्रदेश को भाषायी आधार पर अलग राज्य बनाने के बाद ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग ने इसी मुद्दे का व्यापक अध्ययन किया और 1955 में निष्कर्ष दिया कि अलग राज्य बनाने के लिए भाषायी ही सबसे सशक्त आधार है। राज्य सिर्फ एक प्रशासनिक ईकाई, एक अलग, स्वतंत्र सरकार ही नहीं है, वहां लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली भी भावनात्मक हो। भाषा इस संदर्भ में इसका माकूल जवाब हो सकती है। प्रशासन के प्रभावों का भी सवाल है। कभी प्रभावशीलता प्रशासनिक ईकाई के आकार से भी तय होती है। करीब अढाई दशक पहले 'हरित प्रदेश' रालोद का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था। आज नहीं है। इसी दौर में भाषायी आधार और क्षेत्रीय इतिहास, संस्कृति के आधार पर अलग राज्यों की मांगें मुखर होने लगीं। नतीजतन झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ राज्य बनाए गए। उनके मूल राज्य-बिहार, उप्र और मध्यप्रदेश इतने विशाल राज्य थे कि विभाजन होने के बावजूद कुछ और अलग राज्यों की मांगें गूंजती रहती हैं। आवास और शहरी मामलों की संसदीय कमेटी की एक रपट में अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय जीडीपी में शहरी भारत की हिस्सेदारी 65 फीसदी है, लिहाजा शहरी प्रभुत्व राज्य में राजनीतिक आयामों और गतिशीलता को बदल सकता है। राज्य सरकार को जो टैक्स मिलता है, उस पर भी स्वायत्त नियंत्रण इसी वर्चस्व से तय होगा। पश्चिमी उप्र का मुद्दा अपेक्षाकृत आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र का होगा। तेलंगाना भी खेती वाला क्षेत्र था, जिसके अपने आर्थिक मतभेद थे। आंध्रप्रदेश से आज भी ऐसे कई मतभेद सुलझ नहीं पाए हैं, लेकिन हैदराबाद पर तेलंगाना का नियंत्रण है, यह काफी महत्वपूर्ण है। 2021-22 में तेलंगाना ने अपना करीब 79 फीसदी राजस्व अपने कर-संग्रह से ही प्राप्त किया, जबकि आंध्रप्रदेश को ऐसा 50 फीसदी राजस्व ही मिल सका। मायावती के मुद्दे पर गौर करें, तो सबसे पहले राज्य पुनर्गठन आयोग इस पर कैसे विचार करेगा? केंद्रीय कैबिनेट का विचार क्या होगा? सबसे महत्वपूर्ण है कि उप्र की कैबिनेट और विधानसभा का विचार क्या रहता है? बेशक सामाजिक और सांस्कृतिक कारक किसी भी राज्य के पुनर्गठन के बुनियादी आधार होते हैं, लेकिन आर्थिक पक्ष बहुत जरूरी है। खासकर भारत की अर्थव्यवस्था जिस तरह बदल रही है, उसके मद्देनजर दो राज्य आर्थिक संसाधनों पर सहमत कैसे होते हैं, यह निर्णय होने के बाद ही नया, अलग राज्य आकार ग्रहण करेगा।

> बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है।

अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं

अरुणाचल प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही कांग्रेस को क्या माफ किया जाना चाहिए ?

नीरज कुमार दुबे

> अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका। राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं।

कांग्रेस और विपक्ष के तमाम नेता दिल्ली में बैठ कर दावे करते हैं कि लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, देश में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और विपक्ष को जांच एजेंसियों का डर दिखाया जा रहा है। लेकिन जब आप राज्यों में जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा रहा है। इस बात का सबसे सशक्त उदाहरण अरुणाचल प्रदेश है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका। राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। यानि कांग्रेस राज्य की 60 में से सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसका मतलब यह है कि वह यह चुनाव जीतने के लिए या सरकार बनाने के लिए लड़ ही नहीं रही है। सवाल उठता है कि क्या यही है लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका? सवाल उठता है कि जो दल विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहा वह यदि सत्ता में आया तो क्या कर पायेगा? देखा जाये तो विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाये तो लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष की भूमिका से भी कुछ समय के लिए बाहर कर किसी और दल को यह अवसर दें। आप विडंबना देखिये कि अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का टिकट लेने के लिए कोई पुराना नेता

राजी ही नहीं था इसलिए नये चेहरों को आगे बढ़ाया गया है। संभवतः यही कारण है कि राहुल गांधी ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार नहीं किया जबकि वह अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर इस साल के शुरू में अरुणाचल पहुँचे थे। चुनावों में जनता से किये जा रहे वादों की बात करें तो कांग्रेस एक ओर जहां तमाम तरह के न्यायों की गारंटी देने की बात कर रही है वहीं भाजपा ने 'विकसित भारत, विकसित अरुणाचल प्रदेश' नामक संकल्प पत्र में तमाम वादे जनता से किये हैं। महिला सशक्तिकरण, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण, युवाओं के लिए तमाम सहूलियतें, सरकार की जवाबदेही, राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई और कदम उठाने, राज्य की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते रहने, किसानों को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने और राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कई प्रमुख वादे किये गये हैं जोकि जनता को भा रहे हैं। आप पूरे अरुणाचल प्रदेश में पाएंगे कि कांग्रेस चुनाव प्रचार से पूरी तरह गायब है जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गली-गली घूम रहे हैं। वैसे अरुणाचल प्रदेश की यह बात अच्छी लगी कि यहां राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारत की तरह अनाप शनाप खर्चे नहीं करतीं। यहां लगातार बड़ी रैलियां आयोजित करने से बचा जाता है और लाउडस्पीकरों पर दिनभर अपने उम्मीदवार के लिए प्रचार करते चुनावी वाहनों से मचने वाले शोर भी नहीं सुनाई देते। यहां घर-घर संपर्क और सामाजिक रूप से होने वाले जन एकत्रिकरण के दौरान लोगों को अपने वादों और उपलब्धियों से अवगत कराया जाता है। अरुणाचल प्रदेश में उम्मीदवारों की बात करें तो 50 विधानसभा सीटों के लिए कुल 133 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले विधानसभा चुनावों की मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना वाले दिन ही कराने का ऐलान किया गया था लेकिन राज्य विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के चलते अब दो जून को ही पता चल जायेगा कि राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के जिन 10 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है उनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हैं। भाजपा यहां सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है इसलिए सवाल उठता है कि क्या बहुमत मिलने पर पेमा खांडू ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे या राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा यहां भी किसी नये चेहरे को आगे करेगी? विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस केवल 19 सीटों पर लड़ रही है। इसके अलावा, मेघालय स्थित एनपीपी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एनसीपी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) एक सीट से लड़ रही है। इसके अलावा 14 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 80 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में आठ महिलाएं हैं- जो राज्य में अब तक के किसी भी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक संख्या है।

दृष्टि कोण

मुद्दा हो गरीबों पर गर्मी की मार, इस पर चर्चा बेहद जरूरी

जैसे जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सियासी तापमान बढ़ रहा है, साथ ही भारत के एक बड़े हिस्से को प्रचंड गर्मी भी अपनी चपेट में ले रही है। लेकिन हैरानी की बात है कि राजनेताओं द्वारा जिन मुद्दों पर बहस हो रही है, उनमें जलवायु परिवर्तन का जिक्र नहीं है। यह शर्मनाक है। जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गर्मी के साथ अनियमित एवं चरम मौसमी घटनाएं देश के हर हिस्से और क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं प्रचंड गर्मी सभी वर्गों के लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य और खुशहाली को प्रभावित करती है। सक्षम कामकाजी वयस्क-किसान, निर्माण श्रमिक, मोची, रेहड़ी-पटरी वाले, डिलीवरी बॉय भी प्रभावित होते हैं और इसका अर्थव्यवस्था, कृषि, भोजन, पोषण आदि पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। हालांकि हरेक राजनीतिक दल चुनावी मौसम में गरीबों की बात करता है, लेकिन कितने राजनेता सार्वजनिक रूप से मानते हैं कि गर्मी बेशक हर किसी को प्रभावित करती है, लेकिन यह सबको समान रूप से प्रभावित नहीं करती है। देश के लाखों गरीब, जो हमारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, वातानुकूलित घरों या पर्याप्त हरियाली वाले हरे-भरे इलाकों में नहीं रहते हैं। वे घरों के अंदर नहीं रह सकते, जैसा कि गर्मी बढ़ने पर सलाह दी जाती है या बर्फ वाला शीतल पानी नहीं पी सकते या लंबे समय तक छाया में नहीं रह सकते। वे घरों से बाहर काम करते

हैं। गहरी असमानताओं वाले देश में अत्यधिक गर्मी का लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। लेकिन जिन्हें चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहकर काम करना पड़ता है, उन गरीबों के लिए क्या किया जाएगा, इस पर राजनेताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हो रही है। पिछले दिनों, क्लाइमेट कैंपेनर अविनाश चंचल ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कुछ कटु सच्चाइयों को उजागर किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में गर्मी के कारण 530 मौतें हुईं, वर्ष 2021 में 374 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 730 मौतें हुईं। जैसा कि चंचल ने आगे बताया, फिर भी, लू राष्ट्रीय आपदा नहीं है। हालांकि हमारे देश में हीट ऐक्शन प्लान हैं, लेकिन इससे जुड़ी सेवाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई विशेष फंड नहीं है। माना जाता है कि देश में लू के कारण मरने वालों की संख्या इससे बहुत ज्यादा हो सकती है, क्योंकि बहुत-सी ऐसी मौतों की सूचना विभिन्न कारणवश दर्ज नहीं हो पाती है। एनसीआरबी ने 'प्राकृतिक कारणों से दुर्घटनाएं' शीर्षक के तहत 8,060 मौतों की सूचना प्रकाशित की है, जिनमें से 35.8 फीसदी मौतें आकाशीय बिजली गिरने से, 9.1 फीसदी मौतें लू या भीषण गर्मी से और 8.9 फीसदी मौतें ठंड के कारण बताई गई हैं। क्या ये दुर्घटनाओं के कारण होने वाली आकस्मिक मौतें हैं या ये टाली जा सकने वाली मौतें हैं? क्या इन लोगों को बचाया जा सकता था? अत्यधिक गर्मी या लू से होने वाली मौतें महज आंकड़ा नहीं हैं। वे वास्तविक लोग थे, जिनका परिवार था। यही नहीं, गर्मी से संबंधित मौतें पूरी कहानी नहीं बतातीं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जटिल बना देती है, भले ही उससे मौत न हो। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने एक अप्रैल को ही चेतावनी जारी कर दी थी। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी से इस बार गर्मी में बढ़ते तापमान का पता चलता है, जिससे कई इलाकों में घातक लू की स्थिति भी है। हाल ही में आईएमडी ने हीट इंडेक्स लॉन्च किया है, जो उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव के बारे में सूचना देता है और इस तरह से मनुष्यों को ऐसे तापमान का अहसास कराता है, जिसे मानव के लिए असुविधा के संकेत के रूप में देखा जाता है। यह असुविधा कम करने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत को रेखांकित है। लेकिन यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि एक ही शहर के भीतर सभी क्षेत्रों में समान रूप से गर्मी महसूस नहीं होती है। जिन इलाकों में बहुत से पेड़ और हरियाली होती है, वहां का वातावरण ठंडा महसूस होता है, बनिस्पत उन इलाकों के, जहां पेड़ कम होते हैं और इमारतें ज्यादा होती हैं। कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बुजुर्ग और छोटे बच्चों के सीधे धूप में न जाने के बावजूद गर्मी बढ़ने पर बीमार पड़ने की आशंका ज्यादा होती है। यदि घरों में वेंटिलेशन नहीं है, घर की संरचना कमजोर है और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ठीक नहीं है, तो घरों के अंदर रहना भी हमेशा सुरक्षित नहीं होता है। जिन लोगों को लू लग जाती है, उनके लिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सी चीज उन्हें असुरक्षित बनाती है और क्या होता है, जब गर्मी की प्रतिक्रिया में शरीर को ठंडा रखने के लिए हृदय ज्यादा से ज्यादा पंप करने लगता है। लू लगने पर लोगों को पसीना आने लगता है और शरीर में तेजी से पानी की कमी होने लगती है और ऐसी स्थिति में हृदय, फेफड़ा और किडनी (गुर्दे) खराब होने लग सकते हैं। ऐसे में, सोचिए कि उन लोगों के साथ क्या होता होगा, जो वैसी जगहों पर रहते हैं, जहां लंबे समय तक बिजली नहीं रहती, जिनके पास बैकअप इनवर्टर नहीं होता और जो एयरकंडीशनर का खर्च वहन नहीं कर सकते। आर्द्रता वाले इलाकों में एयर कूलर भी काम नहीं करता।

कुछ अलग

जरूरत है एक ईमानदार प्रकाशक की...

मेरा लिखने का अपना स्टाइल है। जब भी मेरा मन कुछ भी लीक से हटकर लिखने को करता है तो मैं अपनी लाइब्रेरी में पड़े कवियों-गद्यकारों के संकलनों में से पांच सात कवियों, पांच सात गद्यकारों की रचनाएं मुस्कुराते हुए फाड़ उनके टुकड़े टुकड़े कर उन्हें अपने सृजनात्मक डिब्बे में डाल देता हूं। फिर अपने उस सृजनात्मक डिब्बे को तब तक हिलाता रहता हूं जब तक गद्य पद्य में तो पद्य गद्य में घुल मिल नहीं जाते, कबीर के कुंभ में जल जल में कुंभ की तरह। बाहर जो हो, सो होता रहे। इससे मुझे कोई लेना देना नहीं होता। जब मुझे पता नहीं लगता कि अब इसमें गद्य कौन तो पद्य कौन, उसके बाद मैं अपने सृजनात्मक डिब्बे का ढक्कन खोल डिब्बे में से दो चमच नूतन साहित्य के निकाल उसे कागज पर डाल खिली धूप में सूखने रख देता हूं ताकि मेरा साहित्य समाज को ऊर्जा देने लायक हो जाए, प्रकाश देने लायक हो जाए। उसके बाद जो बनता है, मत ही पूछो, क्या बनता है! उसका रसास्वादन कर मैं अपनी उंगलियां चाटता अपने दांतों तले चबा लेता हूं। वाह यार! क्या कमाल का बर्गर बनाया तूने। नमक, मिर्च सहित तमाम मसाले इतने परफेक्ट कि ऐसा रीतिकालीन आचार्यों की डिशिश में भी देखने को कम ही मिले। यार! साहित्यिक शैफ हो तो तेरे जैसा। कोई पता लगा दे कि ये मीठे में कड़वा है या कड़वे में खट्टा, खट्टे में मीठा है कि मीठे में खट्टा तो उसके बलिहारी जाऊं। मतलब तब वह रचना न गद्य होती है न पद्य। होती है तो बस मेरी आपकी जिंदगी की तरह। जिसे न खाते रहा जाए, न चबाते। पर थूकते भी न रहा जाए। लेखन की इस अद्भुत कला के पीछे मेरा तर्क है कि जिस तरह आज जिंदगी न जिंदगी है न मौत, उसी तरह आज न कुछ पद्य है, न कुछ गद्य। पर वह कुछ जरूर है। यही जिंदगी की तरह काफी है। वे प्रकाशक प्रकाशक का पानी पिए हैं। कल मैंने उनसे संपर्क साधा, 'डियर! मैं फेसबुक, व्हाट्सएप पर चेपी अपनी मौलिक रचनाओं का संकलन प्रकाशित करवाना चाहता हूं। व्हाट्सएप, फेसबुक पर तो दिनरात पाठकों से रूबरू होता ही रहता हूं, अब मैं अमेजन, फ्लिपकार्ट के थ्रू पाठकों के घर में दस्तक देना चाहता हूं। मेरे तमाम फेसबुकिया, व्हाट्सेपिया पाठकों की मुझसे डिमांड है कि मैं किताब रूप में असैंबल हो कालजयी होऊं। मैं ही क्या! आज हर लेखक अमेजनीय, फ्लिपकार्टिय होना चाहता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि मैं फेसबुक, व्हाट्सएप के लाइक्सों से बाहर निकल किताब रूप में अपने पाठकों के सामने प्रगट होऊं। जिंदगी में एक साहित्यकार को वह सब कुछ मिल सकता है जिसकी कामना उसने सपने में भी न की हो, पर सुना है, आज की तारीख में पाठक मिलना बहुत मुश्किल है। इसलिए पाठकों की मांग का आदर करते हुए मैं अपनी रचनाओं का संकलन छपवा अपने दिमागों को झकझोरना चाहता हूं। इसके लिए मुझे तुम्हारी सख्त जरूरत है। मुझे एक अच्छा सा प्रकाशक चाहिए जो मेरे साथ धोखा न करे। जिस तरह आत्मा की मुक्ति पंडों द्वारा होती है, सुना है, उसी तरह मूर्धन्य से लेकर स्वनामधन्य लेखक तक का मुक्ति मार्ग प्रकाशक के दरवाजे पर ही खत्म होता है। लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी सुना है कि इस राह में कदम कदम पर धोखे हैं। बंधु! मैं जिंदगी में जितने धोखे खा सकता था, या कि जितने धोखे खाने की मुझमें कैपेसिटी थी, उतने मैं अपने परायों, से खा चुका हूं। अब मुझमें और धोखे खाने की हिम्मत नहीं है' मेरी यह बात उनको मुझ पर ही नहीं, तय है, अपने पर भी हंसी आई होगी। पर वे हंसे नहीं। गंभीर हो बोले, 'दोस्त! प्रकाशक और अच्छा सा! प्रकाशक और ईमानदार सा! जो प्रकाशक लेखक से ईमानदारी करेगा तो खाएगा क्या? हर लेखक प्रकाशक के लिए उसके ठीए पर बिन बुलाए बकरे से अधिक और कुछ भी नहीं होता।

देश दुनीया से

भ्रष्टाचार के विरोध की पटकथा, केजरीवाल और परिवारवाद

> लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोबेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं।

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोबेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौंपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गई है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गई इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्यप्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने

लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैर... यहां परिवारवाद की बात हो रही है। संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं। यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं।

आप का नजरीया

बदला सियासी डीएनए

हिमाचल में लोकसभा चुनाव से कहीं अधिक चिराग उपचुनावों में जल रहे हैं। नई रोशनी के समाधान में कांग्रेस की रणनीति सिद्धहस्त होने का जरिया खोजती-खोजती जहां पहुंच रही है, वहां भाजपा भी शह और मात के खेल में कई रहस्यों के साथ खड़ी है। जाहिर तौर पर लोकसभा चुनावों में विधायकों की भूमिका में चुनाव की उम्मीदवारी मंडी से शिमला तक कांग्रेस के पैमानों में ताजगी भर चुकी है और अगर यही आजमाइश कांगड़ा में भी विधायक को उतार दे, तो भाजपा के सामने अगली पारी की बारी मुश्किल परीक्षा पैदा कर सकती है। हिमाचल में राज्यसभा सांसद के चुनाव ने राजनीति का डीएनए बदला है। जो पहाड़ में पहले असंभव था, अब होने लगा है, यानी कांग्रेस की अवतार रही पिछली जीत अगर छिटक कर विरोधी पक्ष के घोंसले में फिर से सपने बुन रही है, तो यह हर हालत में नई आजमाइश है। जाहिर है बागी विधायकों ने खुद की स्वीकार्यता में संपूर्ण राजनीति का रक्त बदला है। भाजपा की नसों में पूर्व में रहे कांग्रेस के छह विधायकों के रक्त का मिलन जौहर दिखाता है या समाज का असमंजस बढ़ाता है, लेकिन जिस तरह का घटनाक्रम हिमाचल में घटित हुआ है, उससे भाजपा ने नित नया डीएनए खुद पर सवार कर लिया है। इसके परिणाम कितने सुखद और कितने आश्चर्यजनक होते हैं, इसका अंदाजा लगाना किसी भी पार्टी के लिए फिलहाल मुश्किल है। यह ऐसा प्रयोग है जहां पृष्ठभूमि के अंगार अग्रिम भूमिका में हैं। कांग्रेस का विरोध कर कांग्रेस से दरकिनार हुए छह पूर्व विधायकों को अब अपनी पगड़ी पर चढ़ा भगवा रंग बचाना है, तो पृष्ठभूमि से खींचकर किरदार बचाना है। अचानक दो परिदृश्य भाजपा के परिप्रेक्ष्य में जिलों के कद्दावर नेताओं की बेचैनी बढ़ाते हैं। मसलन हमीरपुर में भाजपा के बड़े नेता का कद देखते हुए सियासत अपना डीएनए जांच रही है। इस लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक विध्वंस हुए हैं, इसलिए चरित्र बनाम चरित्र का अधिकतम प्रयोग यहीं हुआ है। कल इबारतें अगर बदलती हैं, तो भाजपा का पदानुक्रम यानी हाइअराकि भी नए सिरे से लिखी जाएगी। कांगड़ा में भी सुधीर शर्मा की पेशकश में महज एक उपचुनाव की समीक्षा नहीं होगी, बल्कि भाजपा की अनुशंसा में कई नकाब भी बदलेंगे। जो चरित्र कांग्रेस से निकलकर भाजपा में घर कर रहा है, उससे पारंपरिक पार्टी कितने प्रतिशत रहेगी, यह साबित करने की चुनौती है। जो भी हो, कांग्रेस से भाजपा में आकर बने प्रत्याशियों ने मूल पार्टी के ढांचे में कुछ रिक्तता अवश्य पैदा की, लेकिन हिमाचल के समाज के सामने वे भी निरपराध नहीं हैं। क्या पार्टियों के पीछे भागती जनता ही नेताओं के पीछे भाग रही है या नेताओं के कारण नागरिक समाज पार्टियों को अहमियत दे रहा है। पिछले कुछ समय से नेताओं ने अपने वजूद की खातिर अलग से दरबार सजाकर नित नए प्रयोग किए हैं। प्रदेश में राजेंद्र राणा, होशियार सिंह व प्रकाश राणा का उदय उनकी अपनी हस्ती से तराशा हुआ प्रतिफल था। ये पहले नेता बने, फिर पार्टियों ने आजमाया। इन्हीं उदाहरणों से कई नेताओं ने एनजीओ की तरह अपनी राजनीतिक दुकानदारी शुरू की है और ये सफल भी हो रहे हैं।

पूरे देश में एक ही आवाज, फिर एक बार मोदी सरकार : योगी आदित्यनाथ

मेरठ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे देश में एक ही आवाज है, फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि देश के बारे में वही सोचेगा, जिसकी प्राथमिकता देश होगा। जिन लोगों के लिए परिवार महत्वपूर्ण है, वे लोग इस चुनाव में सपा, बसपा, कांग्रेस की बात कर रहे होंगे। जिनके लिए राष्ट्र प्रथम है, वे भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करते हुए मजबूती से काम कर रहे हैं। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गढ़ रोड स्थित सिसौली गांव में जनसभा की। उन्होंने कहा कि जिस वर्ष अरुण गोविल मेरठ से उम्मीदवार बने, उसी वर्ष अयोध्या में 500 वर्ष बाद श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सपा, बसपा, कांग्रेस के लोग कर पाते क्या? इसलिए हम आए हैं और अरुण गोविल को लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि 1857 में धन सिंह कोतवाल ने देश की स्वाधीनता के लिए अपनी नौकरी को ठुकरा कर देश के अमर बलिदानियों की श्रेणी में खड़ा होकर देश की स्वतंत्रता का उद्घोष किया था। महापुरुषों का सपना एक ही था, तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे न रहें। वे अपने लिए नहीं जिए थे, उनका जीवन देश के लिए था। देश की स्वतंत्रता और भावी पीढ़ी के लिए था। अमर बलिदानियों के सपने को साकार होते वर्तमान पीढ़ी देख रही है। विकसित भारत, आतंकवाद का समाधान, इंफ्रास्ट्रक्चर हो। मेरठ से दिल्ली तक एक्सप्रेस-वे, रैपिड रेल, खेल विश्वविद्यालय, एक जिला एक उत्पाद में खेल उत्पाद को ग्लोबल बनाने का कार्य हुआ है। मेरठ में मेट्रो भी दे रहे हैं। ये विकास 2014 से पहले कहां था। भाजपा सरकार में गरीब कल्याणकारी योजनाओं का तो कोई सानी नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1947 में भारत और पाकिस्तान स्वतंत्र हुए। पाकिस्तान को कम जनसंख्या के मुकाबले क्षेत्रफल ज्यादा मिला। भारत 80 करोड़ लोगों को चार वर्ष से नि:शुल्क राशन मिल रहा है और अगले पांच साल तक जारी रहेगा। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जिसमें से 80 करोड़ नि:शुल्क राशन पा रहे है। पाकिस्तान की आबादी 22 करोड़ है और लोग भूखे मर रहे हैं। भारत का विभाजन करके पाकिस्तान बना। भारत का समृद्ध क्षेत्र और ज्यादा जमीन भी दी गई और वहां लोग भूखे मर रहे हैं। जितनी पाकिस्तान की आबादी नहीं है, उससे ज्यादा लोगों को दस वर्षों में गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा का कवर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, ऐसे लोगों की चिट्ठी मिलते ही जनधन अकाउंट में पैसा सीधा भेजा जा रहा है। 50 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट खुले हैं। 12 करोड़ किसानों को पीएम सम्मान निधि, 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला फ्री सिलेंडर, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि योजनाओं का लाभ भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सारे परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए हैं। क्या कश्मीर से धारा 370 सपा, बसपा, कांग्रेस के लोग हटा पाते। अगर यह धारा नहीं हटती तो आतंकवाद भी समाप्त नहीं होता। नारी सशक्तिकरण का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। तीन तलाक की प्रथा को हमेशा के लिए खत्म किया। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण सपा, बसपा, कांग्रेस के लोग कर पाते क्या? 2017 से पहले इस क्षेत्र में आए दिन कर्फ्यू, दंगा होता था। अब कांवड़ यात्रा को कोई रोक रहा है क्या? बेटी और व्यापारी सुरक्षित हैं। आस्था का भी सम्मान है। ये सभी कार्य भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण हो रहे हैं। भाजपा आपकी आस्था का सम्मान करती है और युवाओं की आजीविका की भी व्यवस्था करती है। किसानों को सम्मान देती है। महिलाओं को सुरक्षा देती है। व्यापारियों की खुशहाली के माध्यम से विकास के मार्ग को प्रशस्त करती है। विकसित भारत के लिए आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर मेरठ चाहिए।

हमारी लड़ाई राष्ट्रीय विरोधी ताकतों के खिलाफ : बालेंदु मणि त्रिपाठी

कांग्रेस एवं सपा चला रही राष्ट्र एवं सनातन विरोधियों का एजेंडा : राजेंद्र मिश्र

प्रयागराज (हिंस)। हमारी लड़ाई राष्ट्रीय विरोधी ताकतों के खिलाफ है। कांग्रेस, सपा, वाम दल एवं इंडी एलायंस में शामिल जो राजनैतिक दल सनातन एवं राष्ट्र विरोधी ताकतों का एजेंडा चला रही है, हमें ऐसी ताकतों को रोकना है। यह बातें लोकसभा प्रभारी बालेंदु मणि त्रिपाठी एवं महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने संयुक्त रूप से सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में पार्षदों एवं पूर्व पार्षदों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जो भारत को खंड-खंड करना चाह रहे हैं, ऐसी ताकतों को भाजपा का कार्यकर्ता उन्हें बूथों पर हराकर उनके एजेंडे को ध्वस्त कर देगा। गुरुवार को फूलपुर लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर शहर उत्तरी एवं शहर पश्चिमी विधानसभा की भाजपा के पूर्व पार्षद प्रत्याशी एवं पार्षदों की बैठक भाजपा कार्यालय में हुई। उन्होंने आगे कहा कि सभी पार्षदगण एवं पूर्व पार्षद प्रत्याशी अपने सभी वार्ड में जनता के साथ संबंध जनसंपर्क एवं संवाद स्थापित कर भाजपा के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं और केंद्र की मोदी सरकार एवं योगी सरकार की योजनाएं उन तक पहुंचाएं। राजेश केसरवानी ने बताया कि बैठक में वार्ड स्तर पर नुक्कड़ सभा के सफल आयोजन को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता फूलपुर संसदीय क्षेत्र के संयोजक विधायक गुरु प्रसाद मौर्य एवं संचालन संजय गुप्ता तथा समापन अनुज परिहार ने किया। मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा ने बताया कि इस दौरान आनंद वैश्य, सुदर्शन नीरज पांडे, आनंद जायसवाल, प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती, पार्षद ज्ञानेंद्र मिश्रा, अनुपमा पांडे, चंदन प्रकाश शुक्ला, आशीष द्विवेदी, आकाश सोनकर, नटवरलाल भारती, उमेश मिश्रा, सुनीता श्रीवास्तव, मिथिलेश सिंह एवं शहर उत्तरी एवं पश्चिमी विधानसभा के पूर्व पार्षद प्रत्याशी एवं पार्षदगण उपस्थित रहे।

मुस्लिम वोटों के लालच में किसी भी हद तक गिर सकती है समाजवादी पार्टी : नंदी

लखनऊ (हिंस)। अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण एवं रामलला रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली रामनवमी पर समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव द्वारा राम मंदिर को लेकर दिए गए बयान पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने करारा प्रहार किया है। रामगोपाल यादव के बयान पर मंत्री नंदी ने कहा कि प्रोफेसर होकर इस प्रकार की नफरती और विभाजनकारी भाषा का प्रयोग रामगोपाल यादव की डिग्री पर सवालिया निशान है। इसी विकृत सोच ने सैकड़ों निर्दोष रामभक्तों पर गोलियां चलवाने का महापाप किया था। सनातन आस्था के प्राण पुरुष प्रभु श्रीराम के बारे में ऐसा ओछा बयान इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि समाजवादी पार्टी मुस्लिम वोटों के लालच में किसी भी हद तक गिर सकती है। वोट बैंक को पोषित करने के लिए हिंदू आस्था व श्रद्धा को पाखंड कहना समाजवादी पार्टी की निकृष्टता और पतन की पराकाष्ठा है। जनता इस चुनाव में इन हिंदू विरोधी शक्तियों को जमींदोज कर देगी। रामद्रोही समाजवादी पार्टी का नामोनिशान ढूंढ़े से भी नहीं मिलेगा। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों पर सपा का सूपड़ा साफ होना सुनिश्चित है।

भ्रष्टाचार की अम्मा तो कांग्रेस है : केशव प्रसाद मौर्य

हरदोई (हिंस)। उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को गांधी मैदान में हरदोई और मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवारों की नामांकन सभा में विपक्षियों के गठबंधन पर निशाना साधा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भ्रष्टाचार की *अम्मा* तो कांग्रेस है। भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे दलों ने इंडी गठबंधन बना लिया लेकिन उत्तर प्रदेश में इनका खाता भी नहीं खुलेगा। विपक्ष के पास न नीति है न नेता। हरदोई को नृसिंह, वामन और प्रहलाद की धरती बताते हुए कहा कि यहां की हुंकार पूरे देश में जाती है। जनसभा में केशव मौर्य ने कहा कि यह चुनाव साधारण नहीं है। पीढ़ियों की मजबूती इसी चुनाव से तय होगी। उन्होंने कहा कि चार सौ पार का नारा सुनते ही विपक्षी दलों की जमीन खिसकने लगती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा बसपा का गठबंधन था और तब भी जीत का विश्वास था। इस बार दोनों अलग हैं तो जीत का विश्वास चार गुना हो गया होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री पर आरोप लगाने वाले राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने संसद में कहा था कि एक रुपया भेजते हैं तो लाभार्थी तक 15 पैसे पहुंचता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 34 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों के खातों में भेजे और एक-एक रुपया खाते तक पहुंचा। देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है लेकिन सपा, बसपा वाले राशन बेचकर अपनी तिजोरियां भर लेते थे। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र भी किया। जनसभा को आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, सांसद जय प्रकाश रावत, अशोक रावत ने भी संबोधित किया। इस दौरान मंच पर विधायक श्याम प्रकाश, माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, प्रभाष कुमार, रामपाल वर्मा, आशीष सिंह आशू, अलका अर्कवंशी भी मौजूद रहीं। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पूर्व अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, हरदोई लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रीतेश दीक्षित, गोपाल त्रिपाठी, अनुराग श्रीवास्तव, संजय अग्निहोत्री, अजय गुप्ता, सत्येन्द्र कुमार सिंह राजपूत आदि सहित हजारों समर्थक मौजूद रहे।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नामांकन पत्र दाखिल किया

जम्मू (हिंस)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां 7 मई को तीसरे चरण का मतदान होगा। पार्टी के नेताओं और समर्थकों के साथ महबूबा अनंतनाग के उपायुक्त एवं रिटर्निंग अफसर सैयद फखरुद्दीन के कार्यालय पहुंचीं और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा ने लोगों से चुनावों का बहिष्कार न करने की अपील की, क्योंकि यह चुनाव जम्मू-कश्मीर की गरिमा, पहचान और संसाधनों पर किए गए हमले के बारे में है। महबूबा ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों से अपील करती हूं कि वे चुनाव का बहिष्कार न करें। दक्षिण कश्मीर में वे बहिष्कार लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए। उस उम्मीदवार को वोट दें, जो आपको लगता है कि उत्पीड़ित लोगों और जेल में बंद लोगों के लिए आवाज उठाएगा। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव बिजली, पानी और सड़क जैसे विकास संबंधी मुद्दों के बारे में नहीं है। यह चुनाव हमारी गरिमा, पहचान, संपत्ति और संसाधनों पर 2019 के बाद शुरू किए गए हमले को खत्म करने के लिए है। अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। अनंतनाग-पुलवामा और जम्मू-पुंछ-राजौरी लोकसभा के कुछ हिस्सों को विभाजित करके बनाए गए इस निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख शुक्रवार है।

बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही नेशनल कांफ्रेंस : उमर अब्दुल्ला

जम्मू (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही है। यह बंदूक संस्कृति कहां से आई, यह हर कोई जानता है। एनसी नेता उमर अब्दुल्ला अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से एनसी उम्मीदवार मियां अल्ताफ के नामांकन भरने के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे। उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एनसी, पीडीपी और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में बंदूक संस्कृति लेकर आने वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उमर ने कहा कि हर कोई जानता है कि यह बंदूक संस्कृति कहां से आई और नेशनल कांफ्रेंस इस बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही है। उन्होंने कहा कि 3000 से अधिक वरिष्ठ कार्यकर्ता, पार्टी कैडर, पदाधिकारी, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता इस संस्कृति के शिकार हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री को उनके बलिदानों की भी गिनती करनी चाहिए। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से एनसी उम्मीदवार मियां अल्ताफ अन्य दलों के समर्थन से भारी अंतर से विजयी होंगे।

किसी भी दशा में चुनाव में फर्जी वोटिंग नहीं होंने देंगे : डीआईजी

जौनपुर (हिंस)। डीआईजी रेंज वाराणसी डॉ. ओपी सिंह ने लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। डीआईजी ने पार्टी प्रतिनिधियों और अधिकारियों को उनके दायित्वो के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण संपन्न करा के लिए हम सभी का दायित्व है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन करें और अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता मिले तो तत्काल कार्यवाही करें। पार्टी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि रैली, जुलूस आदि आयोजनों के लिए निर्धारित समय से पूर्व आवेदन करें, जिससे उसकी अनुमति समय से दी जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में फर्जी वोटिंग नहीं होंने देंगे। सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक संख्या में मतदाता मतदान तिथि के दिन घर से निकले और लोकतंत्र के इस उत्सव में हिस्सा लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि सभी पार्टियों के प्रतिनिधि अपने-अपने कार्यकर्ताओं को आचार संहिता और चुनाव आयोग के निर्देशों के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि कोई भी निर्वाचन संबंधित कार्य बिना अनुमति के नहीं किया जाए, जिससे इस दौरान कोई व्यवधान उत्पन्न हो। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक करें। जिससे मतदान प्रतिशत अधिक से अधिक बढ़ सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अजयपाल शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार, शैलेंद्र सिंह, समस्त उपजिलाधिकारीगण सहित अन्य प्रभारी अधिकारीगण और राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

चूरु लोकसभा सीट में 22 लाख मतदाता चुनेंगे सांसद

चूरु (हिंस)। राजस्थान की 12 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को प्रथम चरण में मतदान होगा। इनमें चूरू लोकसभा सीट इस बार हॉट शीट बनी हुई है। चूरू लोकसभा सीट पर 22 लाख 22 हजार 213 मतदाता अपना सांसद चुनेंगे। मतदान को लेकर शुक्रवार दोपहर केंद्रीय विद्यालय में मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद मतदान दलों को उनके मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। चूरू लोकसभा में मतदान के लिए 2129 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण कार्यक्रम में एडीएम उतम सिंह शेखावत ने बताया कि शुक्रवार को प्रथम चरण में चूरू लोकसभा का मतदान होगा। इसके लिए 2129 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चूरू लोकसभा क्षेत्र में 392 संवेदनशील केंद्र हैं। इसमें नोहर और भादरा के 78 केंद्र भी शामिल हैं। जिले में 314 केंद्रों को क्रिटिकल केंद्र माना गया है। इन केंद्रों पर तयशुदा पुलिसकर्मी के अलावा अतिरिक्त हथियारबंद जवान भी तैनात किए जाएंगे। एडीएम शेखावत ने बताया कि मतदान को लेकर पूरी तरह तैयारियां कर ली गई। प्रत्येक केंद्र पर मतदान दलों के अलावा रिजर्व टीम भी तैयार रहेगी। उन्होंने बताया कि सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। प्रत्येक मतदान केंद्र माकूल पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा। यहां पैरा ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले देवेंद्र झाझड़िया भाजपा के प्रत्याशी है और कांग्रेस ने राहुल कस्वां को टिकट दी है।

जमीन घोटाला मामले में ईडी ने आरोपियों के पास से बरामद किए एक करोड़ 25 लाख

रांची (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट) के प्रावधानों के तहत पिछले दिनों की गयी छापेमारी में एक करोड़ 25 लाख कैश बरामद किए थे। इसे ईडी ने जब्त कर लिया है। साथ ही ईडी ने अलग-अलग बैंक खातों में जमा तीन करोड़ 56 लाख भी जब्त करते हुए बैंक अकाउंट को फ्रिज कर दिया है। ईडी ने गुरुवार अधिकारिक रुप से बताया कि जमीन घोटाले मामले में 16 फरवरी को हुई छापेमारी के दौरान करीब 1.25 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं।

टॉप 10 की सूची में शामिल कुख्यात 50 हजार का ईनामी अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। जिले के सबौर थाना ने टॉप 10 की सूची में शामिल कुख्यात तथा 50 हजार का ईनामी अपराधी चंदन यादव उर्फ चंदन टाईगर को गिरफ्तार किया है। उक्त आशय की जानकारी गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान सिटी एसपी श्री राज ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार मोस्ट वांटेड अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में टॉप 10 की सूची में शामिल चंदन यादव उर्फ चंदन टाईगर के गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। उक्त टीम के द्वारा कुख्यात अपराधी चंदन यादव उर्फ चंदन टाईगर को ग्राम ईंग्लिश से विधिवत गिरफ्तार किया गया। इसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपया का ईनाम घोषित था। चंदन यादव उर्फ चंदन टाईगर का आपराधिक इतिहास रहा ह। उसके खिलाफ विभिन्न थाना में दर्शन भर से अधिक मामले दर्ज हैं। अन्य थानों से भी आपराधिक इतिहास पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नगर की निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल मैं विवेक कुमार जायसवाल थानाध्यक्ष सबौर पुलिस अवर निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार, बिट्टू कुमार कमल, रामानुज कुमार, राजेश कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी और पुलिस बल शामिल थे।

चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामले में सीआईडी डीजी हाईकोर्ट में हुए हाजिर

रांची (हिंस)। साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपित कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील पर सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। कोर्ट के आदेश के आलोक में सीआईडी डीजी कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि गुमशुदा दोनों बच्चों का बायोमेट्रिक्स यानी फिंगरप्रिंट्स, आंखों के रेटिना उपलब्ध कराना संभव नहीं है, यह काफी जटिल प्रक्रिया है। जिस समय ये दोनों बच्चे गायब हुए थे उस समय उनकी उम्र काफी कम थी। ऐसे में आधार कार्ड के बायोमेट्रिक के आधार पर उनको खोजना संभव नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सविता कुमारी ने पैरवी की। इससे पहले मामले के अनुसंधानकर्ता भी कोर्ट में उपस्थित थे। पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि गुमशुदा दोनों बच्चों की तलाश जारी है। अगली सुनवाई 12 जून निर्धारित की गई है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कुलदेव साह एवं पप्पू शाह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

लोकसभा चुनाव : बिहार में पहले चरण के चार लोकसभा क्षेत्रों में पांच हजार बूथ संवेदनशील

पटना (हिंस)। बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुक्रवार को जिन चार सीटों पर होगा, सूबे में सर्वाधिक संवेदनशील बूथ इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों में चिह्नित किए गए हैं। इनमें औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 15 विधानसभा क्षेत्रों के सभी बूथ संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इन मतदान केंद्रों की संख्या करीब पांच हजार है। ऐसे में चुनाव आयोग की तरफ से कुछ जरूरी निर्देश भी जारी किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने संवेदनशील बूथों पर मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक और सामान्य बूथों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित किया है। तीन विधानसभा क्षेत्रों के कुल 995 बूथों को संवेदनशील माना गया है, जहां पर मतदान शाम चार बजे तक ही होगा। इसमें शेरघाटी विस क्षेत्र के 305 बूथ, बाराचट्टी के 332 बूथ व बोधगया के 358 बूथ संवेदनशील हैं। गया लोस के शेष सभी विस क्षेत्रों गया टाउन, बेलागंज व वजीरगंज में मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। जमुई लोस क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्रों के 1659 बूथ संवेदनशील हैं। इसमें सिकंदरा विस क्षेत्र के 313 बूथ, जमुई के 319 झाझा के 352, चकाई के 335 और तारापुर के 340 बूथ संवेदनशील हैं। इस लोकसभा क्षेत्र के सिर्फ एक विधानसभा शेखपुरा के बूथ सामान्य हैं। 1941 बूथों में नक्सल प्रभावित 223 बूथ और क्रिटिकल मतदान केंद्रों की संख्या 502 है। नवादा लोकसभा क्षेत्र के दो विधानसभा क्षेत्रों के 666 बूथों को संवेदनशील माना गया है। इसमें रजौली विधानसभा में 333 बूथ और गोविंदपुर विधानसभा के 328 बूथ हैं। नवादा लोकसभा क्षेत्र के बरबीघा, हिसुआ, नवादा और वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथ संवेदनशील हैं। उधर, औरंगाबाद लोकसभा के कुटुम्बा विधानसभा के 296 बूथ, रफीगंज के 367 बूथ, गुरुआ के 337 बूथ, इमामगंज के 344 बूथ और टिकारी के 357 बूथ संवेदनशील हैं। यहां मतदान शाम चार बजे तक ही होगा। केवल औरंगाबाद लोस क्षेत्र के औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा।

अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर ग्रामीण वोट का करेंगे बहिष्कार

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के खानपुर पंचायत के दौलतपुर गांव के सुंगठिया बहियार में दो दिन पूर्व मिरहट्टी पंचायत के नवटोलिया गांव के दबंगों ने दो किसान को गोली मार दी,जिससे एक किसान मुकेश कुमार मंडल की मौत घटना स्थल पर ही हो गई है। इस घटना के दो दिन बीत जाने पर पुलिस के द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं किए जाने पर दौलतपुर गांव के ग्रामीणों ने एकजुट होकर गुरुवार को पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी जल्द हो और मृतक के बच्चों का भरणपोषण के लिए मुआवजा राशि एवं सरकारी नौकरी मिलना चाहिए नहीं तो पूरे गांव के लोग लोकसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे।

इंडोनेशिया के हिंदू और मुस्लिम कलाकारों ने मिलकर मंच पर राम राज्य को चरितार्थ किया

बीकानेर (हिंस)। भगवान राम का प्रभाव भारतीय जन मानस के साथ साथ विदेशों में भी कितना गहरा है, इसकी एक झलक बीकानेर में हुए अंतर्राष्ट्रीय रामलीला कार्यक्रम में देखने को मिली। समत्वम ट्रस्ट और एनएमपी रिसर्च द्वारा आयोजित रेलवे ग्राउंड में हुए इस अद्भुत कार्यक्रम में इंडोनेशिया से आए हुए कलाकारों ने बाली की राम लीला का शानदार अंदाज में मंचन किया। नवीन मेघवाल द्वारा निर्देशित और संचालित ध्यान से मतदान के इस पूरे कार्यक्रम में इंडोनेशिया के हिंदू और मुस्लिम कलाकारों ने मिलकर मंच पर राम राज्य को चरितार्थ किया। बाली इंडोनेशिया से आए हुए कलाकारों में पद्मश्री इंद्रा उडयिाना ने गुरु वशिष्ठ, हरेन्द्रा ने प्रभु राम, दीया ने माता सीता, मंगकास ने लक्ष्मण, आदि सपूत ने हनुमान, चिंता ने त्रिजटा और पाक चोक ने रावण का किरदार निभाया। बीकानेर में पहली बार हुई इस अंतर्राष्ट्रीय रामलीला द्वारा इंडिनेशियन कलाकारों ने आम जनता को राम जैसा जीवन जीने का संदेश दिया। ट्रस्ट के ट्रस्टी पुनीत शर्मा ने बताया कि रामलीला के साथ इस मंच पर किन्नरों के माध्यम से समानता का संदेश भी दिया गया और उसे चरितार्थ करते हुए देश के अलग-अलग कोने से आए हुए किन्नर योग शिक्षकों ने आम जनता को योगाभ्यास भी करवाया। संभवत: विश्व में पहली बार किसी एक मंच पर किन्नर योग शिक्षकों द्वारा इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों को योगाभ्यास करवाया गया। देश के दूसरे राज्यों से आए किन्नर योग शिक्षकों में पूजा, रौशनी, माही, शशि, अंकिता, प्रांजल और काव्य ने बारी बारी से मंच पर अलग-अलग आसन सिखाए।

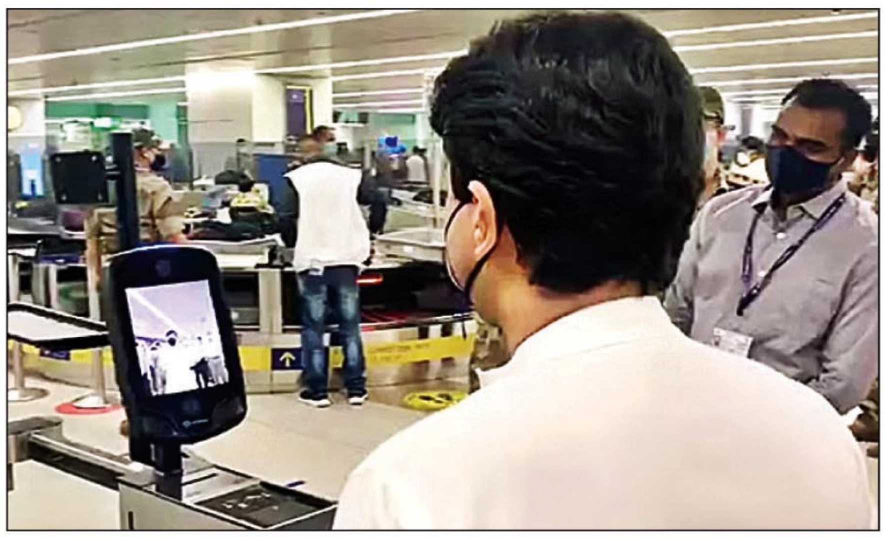

डिजी यात्रा फाउंडेशन ने कहा– हमेशा हमारे पूर्ण नियंत्रण में रहा एप

नई दिल्ली।
डिजी यात्रा फाउंडेशन ने बुधवार को कहा कि डिजी यात्रा एप हमेशा उसके पूर्ण नियंत्रण में रहा है। दरअसल, इससे पहले इस तरह की रिपोर्ट सामने आई थीं कि डिजी यात्रा फाउंडेशन कथित तौर पर अपने पूर्व विक्रेता डाटाइवॉल्व सॉल्यूशंस से अलग हो रहा है और उसने एप के लिए बिलिंग खाते और प्रबंधन सेवाओं की पेशकश की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, डिजी यात्रा पर यात्रियों की ओर से साझा किए गए डाटा को (स्टोर करने को) लेकर चिंताएं हैं। पूर्व विक्रेता डाटाइवॉल्व सॉल्यूशंस जांच के दायरे में आ गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या डाटाइवॉल्व अभी भी डिजी यात्रा से जुड़ा हुआ है, फाउंडेशन ने जवाब ना में दिया।

फाउंडेशन के मुताबिक, डिजी यात्रा का डाटाइवॉल्व से कोई संबंध नहीं है। नीति आयोग के सीआईसी बुनियादी ढांचे पर डिजी यात्रा शुरू हुई और बाद में डाटाइवॉल्व में चली गई, जो एक प्रबंधित सेवा प्रदाता के रूप में प्रबंधन कर रहा था। कंपनी ने बुधवार को कहा, केवल बिलिंग खाता और प्रबंधन डाटाइवॉल्व द्वारा किया गया था।

पिछले हफ्ते फाउंडेशन के सीईओ सुरेश खड़कभवी ने बताया था कि डिजी यात्रा में यात्रियों का कोई डाटा स्टोर नहीं होता है। उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ (यूजर्स के) फोन में होता है और यह यात्री के खुद के नियंत्रण में होता है। डिजी यात्रा चेहरे की पहचान तकनीक (एफआरटी) पर आधारित है। यह एप हवाई अड्डों पर यात्रियों को संपर्क रहित निर्बाध आवाजाही प्रदान करती है। वर्तमान में इस एप के करीब 50 लाख यूजर हैं।

डिजी यात्रा के लिए यात्री की ओर से दिए डाटा को एन्क्रिप्टेड रखा जाता है। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए यात्री को आधार आधारित सत्यापन कराना होगा। इसके अलावा, खुद के द्वारा खींची गई तस्वीर का इस्तेमाल डिजी ऐप पर अपलोड करना होगा। साथ ही अपना विवरण दर्ज कराना होगा। अगले चरण में बोर्डिंग पास को स्कैन करना होगा और जानकारी को हवाई अड्डे के साथ साझा करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

अबुजा सीमेंट में अदाणी परिवार का निवेश बढ़कर 20 हजार करोड़ हुआ, हिस्सेदारी 70.3 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली । अदाणी समूह की सीमेंट बनाने वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने अपने भविष्य से संबंधित बड़ा एलान किया है। कंपनी ने बताया है कि अदाणी परिवार ने कंपनी में अतिरिक्त 8,339 करोड़ रुपये के निवेश के साथ वारंट प्रोग्राम को पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया है। इससे कंपनी में अदाणी परिवार का कुल निवेश बढ़ककर 20,000 करोड़ हो गया है। ताजा निवेश से अदाणी परिवार की अंबूजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी बढ़कर 70.3 प्रतिशत हो गई। इससे पहले अदाणी परिवार ने शेयरों की हिस्सेदारी के बदले अंबुजा सीमेंट्स में 18 अक्तूबर 2022 को 5,000 करोड़ रुपये और 28 मार्च 2024 को 6,661 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने बताया है कि अंबूजा सीमेंट्स में अदाणी परिवार की ओर से किया गया यह हालिया निवेश 2028 तक कंपनी की सालाना उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 140 मिलियन डॉलर करने में अहम साबित होगा। अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अजय ने कहा कि अदाणी परिवार की ओर से किए गए निवेश पर कहा कि इसकी घोषणा करते हुए हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं। यह पूंजी निवेश कंपनी को तेजी से विकसित होने के लिए पूंजीगत रूप से लचीला बनाएगा। इससे कंपनी के पूंजीगत प्रबंधन से जुड़े पहलों को लागू करने में आसानी होगी साथ ही कंपनी का बैलेंसशीट मजबूत होगा। अदाणी परिवार और अंबुजा सीमेंट्स के बीच इस लेनदेन में बार्कलेज बैंक पीएलसी, एमयूएफजी बैंक, मिजूहो बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सलाहकार की भूमिका निभाई।

पेटीएम को एनपीसीआई से मिली जरूरी मंजूरी, पेटीएम हैंडल वाले यूजर्स का दूसरे बैंकों में माइग्रेशन शुरू

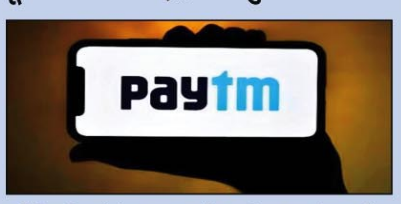

नई दिल्ली । पेटीएम ब्रांड की स्वामित्व वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) को नए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर (पीएसपी) बैंक हैंडल पर यूजर्स को स्थानांतरित करने की एनपीसीआई से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मल्टी पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर एपीआई मॉडल पर ओसीएल को थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में मंजूरी मिलने के बाद पेटीएम ने एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और यस बैंक के साथ एकीकरण की प्रक्रिया को तेज किया है। पेटीएम ने बताया- माइग्रेशन का काम हुआ तेज कंपनी ने बताया कि वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) को नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) से नए भुगतान प्रणाली प्रदाता (पीएसपी) बैंक हैंडल में उपयोगकर्ता माइग्रेशन शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। सभी चार बैंक अब टीपीएपी पर परिचालन कर रहे हैं। पेटीएम के लिए इन पीएसपी बैंकों में यूजर्स के खातों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी ने निर्बाध यूपीआई भुगतान सुनिश्चित करते हुए हैंडल्स को इन बैंकों में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। पेटीएम यूजर्स पर क्या असर पड़ेगा एक बार पेटीएम यूजर को किसी अन्य पार्टनर पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर (पीएसपी) बैंक में माइग्रेट करने के बाद जिन यूजर्स की मौजूदा यूपीआई आईडी पेटीएम है वह नई यूपीआई आईडी में बदल जाएगी।

खामियों के कारण 11 हजार से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाएंगे चार वाहन निर्माता

सोल। हुंडई मोटर, मर्सिडीज-बेंज कोरिया और दो अन्य कार निर्माता ने कहा है कि खामियों के कारण 11,000 से अधिक वाहनों को वापस बुलाएंगे। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, स्टेलेंटिस कोरिया और मैन ट्रक एंड बस कोरिया सहित चार कंपनियां स्वेच्छा से 23 अलग-अलग मॉडलों के कुल 11,159 वाहनों को वापस बुला रही हैं। जिन समस्याओं के कारण वापस बुलाया जा रहा है उनमें सांता फे और सांता फे हाइब्रिड मॉडल की 6,468 वाहनों में सीटों की खराब वेल्डिंग शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की ग्रैंड्योर सेडान की लगभग 760 वाहनों के डैशबोर्ड में भी सॉफ्टवेयर की खामी पाई गई। एक अन्य समस्या, एस500 4मैटिक सेडान समेत मर्सिडीज-बेंज के 11 मॉडलों के लगभग 2,400 वाहनों में फ्यूल पंप में समस्या थी। इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिटों में सॉफ्टवेयर खामियों के कारण स्टेलेंटिस का प्यूज़ो ई-2008 इलेक्ट्रिक वाहन में भी सुधार की जरूरत है। मैन ट्रक के लिए, ट्रेलर कपलिंग मैकेनिज्म में खामी के कारण इसके टीजीएक्स ट्रैक्टर मॉडल के 308 वाहनों को वापस बुलाया जाएगा।

क्या गरीब और विकासशील देशों में अधिक चीनी वाले उत्पाद बेच रही नेस्ले रिपोर्ट में सामने आया यह सच

नई दिल्ली।
नेस्ले गरीब देशों में बेचे जाने वाले शिशु दूध में चीनी की अधिक मात्रा मिलाता है, लेकिन यूरोप या ब्रिटेन के अपने मुख्य बाजारों में नहीं। नेस्ले के दो सबसे ज्यादा बिकने वाले बेबी फूड ब्रांड्स में चीन की अधिक मात्रा पाई गई है। जबकि यही उत्पाद ब्रिटेन, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और अन्य विकसित देशों में बगैर चीनी के बेचे जा रहे हैं। पब्लिक आई की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता उत्पाद कंपनी नेस्ले के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि वह दूध और बच्चों से जुड़े उत्पादों में मोटापे और गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए जारी दिशानिर्देशों के विपरीत चीनी और शहद जैसी चीजें मिला रही है। नेस्ले की ओर से किया गया उल्लंघन कंपनी के एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों के उत्पादों में देखा गया है।

भारत में बिकने वाले नेस्ले के बेबी फुड प्रोडक्ट्स में चीनी की मात्रा कितनी

रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिकने वाले नेस्ले के बच्चों से जुड़े उत्पादों की हर सर्विंग में करीब 3 ग्राम चीनी पाई गई। चीनी की इस मात्रा के बारे में पैकेट पर कंपनी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। नेस्ले की ओर से गरीब और विकासशील देशों में बेचे जा रहे उत्पादों में चीनी मिलाने का खुलासा तब हुआ जब स्विस जांच संगठन पब्लिक आई और आईबीएफएएन (इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क) ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बेचे जाने वाले कंपनी के बेबी फूड उत्पादों के नमूने बेल्जियम की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे।

पब्लिक आई की जांच रिपोर्ट से बुधवार को सार्वजनिक किया गया में कहा गया है कि जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन में नेस्ले द्वारा बेचे गए छह महीने के बच्चों के लिए सेरेलैक गेहूं आधारित अनाज में कोई अतिरिक्त चीनी नहीं मिली, जबकि उसी उत्पाद में इथियोपिया में प्रति सर्विंग 5 ग्राम और थाईलैंड में 6 ग्राम से अधिक चीनी मिली।

जांच में सामने आए निष्कर्षों के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिक निगेल रोलिंस ने पब्लिक आई और आईबीएफएएन को बताया, यह नेस्ले की ओर से अपनाया गया एक दोहरा मानक है जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है ।उन्होंने कहा कि तथ्य बताते हैं कि नेस्ले स्विट्जरलैंड में इन उत्पादों में चीनी नहीं मिलाता है, लेकिन कम संसाधन वाले देशों में वह ऐसा करके खुश है। कंपनी का यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य और नैतिक दृष्टिकोण दोनों पर सवाल खड़े करता है।

बच्चों के लिए क्यों नुकसानदेह है चीनी

रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि बच्चों के शुरुआती दिनों में चीनी के संपर्क में आने से उनमें शर्करा आधारित उत्पादों के लिए जीवन भर आकर्षित रहते हैं जिससे मोटापे और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। 2022 में, डब्लूएचओ ने शिशुओं के लिए खाद्य उत्पादों में चीनी मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था और उद्योगों से अपने उत्पादों में सुधार करने को कहा था।

नेस्ले इंडिया ने रिपोर्ट पर क्या प्रतिक्रिया दी

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने मीडिया से कहा है कि पिछले 5 वर्षों में, नेस्ले इंडिया ने शिशु अनाज पोर्टफोलियो में अतिरिक्त चीनी की मात्रा को 30 प्रतिशत तक कम किया है ... । प्रवक्ता ने कहा, हम नियमित रूप से अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और गुणवत्ता, सुरक्षा और स्वाद से समझौता किए बिना अतिरिक्त चीनी के स्तर को कम करने के लिए अपने उत्पादों में सुधार करना जारी रखते हैं।

इक्विटी की तुलना में डेट में चार गुना ज्यादा एफआईआई निवेश; जनवरी से अब तक महज 13,067 करोड़ की आमद

नई दिल्ली ।
भारतीय शेयर बाजार में लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले हफ्ते 75,000 के पार पहुंचे सेंसेक्स में जरूर करीब 2,100 अंकों की गिरावट आई है, फिर भी शेयर बाजार की तेजी बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस तेजी में विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई ने इक्विटी में निवेश काफी कम कर दिया है, जबकि डेट में इक्विटी की तुलना में चार गुना से ज्यादा का निवेश किया है। 55,630 करोड़ रुपये का निवेश डेट में नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से लेकर 16 अप्रैल तक एफआईआई ने बाजार में 13,067 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसी दौरान डेट प्रतिभूतियों में निवेश 55,630 करोड़ रुपये रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि एफआईआई सतर्क रुख अपना रहे हैं। इस कारण ही उनको इस समय भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन बहुत महंगा लग रहा है। 144 कंपनियों में बढ़ाया हिस्सा मार्च तिमाही में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बीएसई 500 की करीब 144 कंपनियों में हिस्सा बढ़ाया। अदाणी की प्रमुख कंपनियों में भी इन्होंने हिस्सेदारी बढ़ाई है। पीएनबी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सिटी यूनियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में भी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

ब्लूमबर्ग इंडेक्स में भी भारतीय बॉन्ड

ब्लूमबर्ग भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों को उभरते बाजार और संबंधित इंडेक्स में 31 जनवरी,2025 से शामिल करेगा। शुरुआत में ब्लूमबर्ग के बाजार मूल्य के 10 प्रतिशत के शुरुआती वेटेज के साथ ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी सरकारी इंडेक्स में शामिल होगा। हर महीने बॉन्ड के वेटेज को 10-10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। अक्तूबर, 2025 तक बॉन्ड का वेटेज पूर्ण बाजार मूल्य के अनुरूप होगा। इसलिए डेट में जमकर दांव लगा रहे हैं विदेशी निवेशक विश्लेषकों का कहना है कि दुनिया की सबसे बड़ी निवेश कंपनी और बैंकर जेपी मॉर्गन भारत के सरकारी बॉन्ड को अपने इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में शामिल करेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि भारत को विदेशों से सस्ता कर्ज मिल सकेगा और घरेलू डेट बाजार में 2.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश भी मिल सकता है।

सोना सुस्त शुरुआत के बाद तेज, चांदी भी चमकी सोना 72,500, चांदी लगभग 83,600 रुपए

नई दिल्ली ।
सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार को सुस्त रही। जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। देश के सराफा बाजारों में गुरुवार को सोने के वायदा भाव 72,500 हजार के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्त शुरुआत के बाद सुधार देखने को मिला। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज नरम रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 25 रुपये की गिरावट के साथ 72,498 रुपये के भाव पर खुला।

सोने के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 73,958 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 501 रुपये की तेजी के साथ 84,000 रुपये के भाव पर खुलकर 97 रुपये की तेजी के साथ 83,596 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,377.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,388.40 डॉलर था। फिलहाल यह 0.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,389.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.28 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.40 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 28.46 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

गूगल ने फिर चलाई छंटनी की तलवार, कॉस्ट कटिंग के बीच कुछ कर्मचारी भारत समेत इन देशों में भेजे जाएंगे

कैलिफोर्निया ।
बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियां इन दिनों संभावित मंदी से जूझ रही हैं। लागत में कमी करने के लिए ये कंपनियां कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार चला रही हैं। इस बीच गूगल से भी ऐसी ही खबर सामने आई है। एक बार फिर अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल अपने कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा रही है। गूगल ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इसलिए हो रही छंटनी कंपनी के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कॉस्ट कटिंग यानी लागत में कमी लाने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि छंटनी पूरी कंपनी में नहीं की जा रही है।

इसलिए इससे प्रभावित कर्मचारी अन्य किसी भूमिका के लिए आवेदन कर सकेंगे।

हालांकि, प्रवक्ता ने छंटनी से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की संख्या और इसमें शामिल टीमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इन देशों में भेजे जाएंगे कर्मचारी छंटनी से प्रभावित कुछ लोगों को कंपनी भारत, शिकागो, अटलांटा और डबलिन समेत उन जगहों पर भेजेगी, जहां वह निवेश कर रही है। गौरतलब है, इस साल टेक और मीडिया जगत में कई नौकरियों में कटौती के बाद गूगल में भी यह छंटनी हो रही है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि छंटनी जारी रह सकती है। साफ है कि कंपनियां आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही हैं। इन विभागों के कर्मचारियों पर चली तलवार एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल के रियल एस्टेट और वित्त विभागों की कई टीमों के कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित वित्त टीमों में गूगल ट्रेजरी, बिजनेस सर्विसेज और रेवेन्यू कैश ऑपरेशन्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, गूगल के वित्त प्रमुख रूथ पोराट ने अपने कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। इसमें कहा गया है कि पुनर्गठन में बंगलूरू, मैक्सिको सिटी और डबलिन में विकास का विस्तार शामिल है। पहले ही किया था आगाह ऐसा नहीं है कि यह पहली बार है जब कंपनी ने कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया है।

वोडाफोन आइडिया का एफपीओ ओपन हुआ

22 अप्रैल तक बोली लगा सकेंगे रिटेल निवेशक, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,278

मुंबई।
टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर यानी एफपीओ ओपन हो गया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है।

रिटेल निवेशक इस एफपीओ के लिए 22 अप्रैल तक बोली लगा सकते हैं। 25 अप्रैल को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के ये शेयर लिस्ट होंगे। इससे पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस एफपीओ के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 1298 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी ने एफपीओ का प्राइज बैंड 10-11 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप एफपीओ के अपर प्राइज बैंड 11 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,278 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 18172 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 199,892 इन्वेस्ट करने होंगे।

वीआई ने एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए

एफपीओ ओपन होने से पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में बीते दिन इस बात की जानकारी दी थी। वीआई ने इसके लिए 11 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 491 करोड़ शेयर्स एलॉकेट किए।

निवेशकों में सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत शेयर पार्टनर्स को मिले हैं, इसके लिए 1,345 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके अलावा फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स ने

772 करोड़, ट्रू-कैपिटल और ऑस्ट्रेलियन सुपर ने 331 करोड़ और 130 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है।

निवेशकों में द मास्टर ट्रस्ट बैंक ऑफ जापान, यूबीएस , मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स, ऑस्ट्रेलियन सुपर, फिडेलिटी, क्वांट और मोतीलाल ओसवाल शामिल हैं।

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है। भारतीय मार्केट में अभी सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक का है, जो 15 हजार करोड़ रुपए का था। वहीं अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले साल जनवरी में 20 हजार करोड़ रुपए का एफपीओ लाई थी। हालांकि, बाद में कंपनी ने इसे वापस ले लिया। अगर ऐसा न करती तो अडाणी एंटरप्राइजेज सबसे बड़े एफपीओ लाने वाली कंपनी होती।

4जी सर्विस बेहतर और 5जी रोलआउट के लिए फंड का इस्तेमाल करेगी कंपनी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी रोलआउट करने और 4जी सर्विस को बेहतर करने में करेगी। इसके साथ ही यह फंडरेजिंग कंपनी को अपनी कॉम्पिटेटिव पोजिशनिंग में सुधार करने और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस प्रोवाइड करने में भी सक्षम बनाएगा।

वोडाफोन आइडिया पर 210000 करोड़ का कर्ज वोडाफोन आइडिया वित्तीय दिक्कतों से जूझ रही है, जिसपर 210000 करोड़ का कर्ज है। वोडाफोन आइडिया अपने कॉम्पिटिटर्स के साथ कॉम्पिटिशन करने के लिए अपनी सर्विस और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना चाहती है। कंपनी अभी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे बड़े कॉम्पिटिटर्स से काफी पीछे है।

एफपीओ क्या होता है

फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर एक ऐसी प्रोसेस है जिसके ऐसी कंपनी जो पहले से शेयर बाजार में लिस्ट है, वह निवेशकों या मौजूदा शेयर होल्डर्स, आम तौर पर प्रमोटर्स को नए शेयर इश्यू करती है। आसान भाषा में समझे तो शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां सेकेंडरी मार्केट में नए शेयर इश्यू करके फंड जुटाती हैं।

धोनी अगले साल का आईपीएल भी खेल सकते हैं : रैना ने किया दावा ; मुंबई के खिलाफ आखिरी चार गेंदों पर बनाए थे 20 रन

मुम्बई ।

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी आईपीएल के अगले सीजन में भी खेल सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने जियो सिनेमा के एक कार्यक्रम में यह दावा किया है। 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ धोनी ने वानखेड़े स्टेडियम में लगातार तीन छक्के लगाए थे। इस मैच के बाद हुए डिस्कशन प्रोग्राम में एंकर ने धोनी के आगे खेलने पर सवाल किया था।

एंकर ने सबसे पहले सवाल कार्यक्रम में मौजूद पूर्व फास्ट बॉलर आरपी सिंह से यह सवाल किया था। इस पर सिंह ने कहा- इसका बेहतर जवाब रैना दे पाएंगे।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें - धोनी 42 साल के हो गए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में 15 अगस्त को संन्यास ले चुके हैं। उनके आईपीएल रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही हैं। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2023 धोनी का आखिरी साल होगा, पर उन्होंने उन्होंने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान टॉस के बाद कमेंटेटर डैनी मॉरिसन ने धोनी से सवाल किया कि आप अपने आखिरी सीजन का आनंद ले रहे हैं धोनी ने इसका जवाब देते हुए कहा, आपने फैसला किया है कि यह मेरा आखिरी आईपीएल है।; इसके बाद धोनी हंसने लगे। मॉरिसन ने कहा कि धोनी अगले साल भी खेलते नजर आएंगे।

सीजन शुरू होने से पहले ऋतुराज गायकवाड को सौंपी गई है सीएसके की कप्तानी - वहीं आईपीएल के इस सीजन के शुरू होने से पहले चेन्नई की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड को सौंप दी गई। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि आईपीएल में धोनी का यह आखिरी साल होगा।

धोनी ने मुंबई के खिलाफ आखिरी चार गेंदों पर बनाए थे 20 रन - वहीं महेंद्र सिंह धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में खेले गए मैच में आखिरी चार गेंदों पर 20 रन बनाए थे। उन्होंने लगातार तीन गेंदों छक्के जड़े और एक गेंद पर 2 रन लिए। वहीं उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में भी 16 गेंदों में 37 रन बनाए, जिनमें चार चौके और 3 छक्के शामिल थे। इस सीजन में चार मैंचों में उन्हें निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला और उन्होंने 59 रन बनाए।

न्यूज़ ब्रीफ

सुपर जॉयंट्स ने मयंक की शीघ्र वापसी के संकेत दिये

मुम्बई । अपने पहले ही दो मैचों में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंककर धूम मचाने वाले लखनऊ सुपर जॉयंट्स के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की टीम में शीघ्र वापसी की उम्मीदें हैं। मयंक चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं इस सत्र में अपनी तेज रफ्तार से मयंक ने सभी को अपना प्रशंसक बनाया है। लखनऊ सुपर जॉयंट्स ने अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें मयंक को गेंदबाजी करते हुए देखा गया है। वह चोट की वजह से मयंक दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल सके. मयंक का जो वीडियो आया है उसमें लिखा है, ' फिर से उड़ चला।' मंयक 7 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में केवल एक ओवर गेंदबाजी के बाद दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गये थे उनके पैर में किसी तरह की समस्या हुई और बाद में उन्हें फिजियो के सहारे ग्राउंड से बाहर जाते हुए देखा गया। उन्हें पीठ के निचले हिस्से में तकलीफ हुई थी। करियर के पहले ही दो आईपीएल मैचों में मयंक ने अपनी तूफानी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। वह 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक चुके हैं। इस आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड मयंक के नाम है। उन्होंने दूसरे ही मैच में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। डेब्यू आईपीएल मैच में मयंक ने 155.8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। मयंक यादव ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 3-3 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस आईपीएल में अभी तक 9 ओवर की गेंदबाजी की है। जिसमें उनके नाम 6 विकेट हैं।

यूएसए की पुरुष टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए स्टुअर्ट लॉ

डलास। टी20 वर्ल्ड कप और बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ की नियुक्ति यूएसए की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर हुई है। स्टुअर्ट लॉ का कोचिंग करियर शानदार रहा है, जो तब शुरू हुआ जब उन्हें 2009 में श्रीलंका का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। उनका पहला मुख्य कोच पद 2011-12 में बांग्लादेश के साथ था। इसके बाद उन्होंने दो साल के अनुबंध पर 2017-2018 तक वेस्टइंडीज की कमान संभाली। 2022 में उन्हें अफगानिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में नामित किया गया था और बाद में उसी वर्ष लॉ को बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में भी नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2019-21 तक इंग्लिश काउंटी टीम मिडलसेक्स को भी कोचिंग दी थी। यूएसए क्रिकेट ने लॉ के हवाले से कहा, यूएसए इस समय एसोसिएट देशों में एक मज़बूत टीम है और उनके साथ जुड़ने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। पहली चुनौती तो बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए एक टीम तैयार करने की है और उसके बाद हमारी नजरें विश्व कप की ओर होंगी। यूएसए के चेयरमैन वेणु ने कहा, स्टुअर्ट लॉ की नियुक्ति से टीम को अपनी पूरी क्षमता से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। हम विश्व कप से ठीक पहले स्टुअर्ट को बोर्ड में शामिल करने से उत्साहित हैं।

बांग्लादेश का स्पिन गेंदबाजी कोच बना पूर्व पाक क्रिकेटर

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद को टी20 विश्वकप तक लिए टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। बीसीबी के अनुसार मुश्ताक अगले महीने जिबाब्वे के साथ होने वाली टी-20 सीरीज से पहले शिविर से जुड़ जाएंगे। वह श्रीलंका के रंगना हेराथ की जगह लेंगे। जून 2021 से कोच रहे थे। मुश्ताक ने कोच बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, 'बांग्लादेश क्रिकेट टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच चुना जाना सम्मान की बात है। मैं इस भूमिका के लिए उत्साहित हूं और खिलाड़ियों को अपना सारा अनुभव देना चाहता हूं क्योंकि वह सीखने के लिए तैयार रहते हैं और मुझे हमेशा लगता है कि यह टीम बहुत खतरनाक टीम है। वे किसी को भी हरा सकते हैं क्योंकि उनमें क्षमता और कौशल है। मैं उनमें विश्वास बढ़ाने का प्रयास करूंगा। मैं उनके साथ काम करने को बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

रियल मैड्रिड यूऐफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंची

क्वार्टर फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को हराया आर्सनल के खिलाफ जीता बायर्न म्यूनिख

मुम्बई ।

रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। टीम ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी शूटआउट में हराया। यूसीएल के दो क्वार्टर फाइनल मैचों का दूसरा लेग आज खेला गया। दूसरे मैच में जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख ने इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल को हराया। म्यूनिख ने भी सीजन के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है।

पेनल्टी शूटआउट में रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को हराया - मैड्रिड और सिटी के बीच क्वार्टर फाइनल का दूसरा लेग का मुकाबला फुल टाइम तक 1-1 से ड्रॉ रहा। दोनों टीमों का पहला लेग 3-3 से ड्रॉ रहा था। ऐसे में क्वार्टर फाइनल का फाइनल स्कोर 4-4 से बराबर रहा। नतीजा नहीं आने की वजह से दोनों टीमों को पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। जिसमें मैड्रिड ने सिटी को 4-3 से हराया। दूसरा लेग सिटी के होम ग्राउंड एतिहाद स्टेडियम में खेला गया। मैड्रिड के रॉड्रिगो ने मैच के 12वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। लेकिन, सिटी टीम के स्टार मिडफील्डर केविन डे ब्रुने ने 76वें मिनट में गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया, जो फुल टाइम तक यही स्कोर रहा।

म्यूनिख ने आर्सेनल को 1-0 से हराया - दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकबले में के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख ने आर्सेनल को 1-0 से हराया। जर्मनी के होम ग्राउंड एलियांज एरिना में खेले गए दूसरे लेग का एकमात्र गोल बायर्न म्यूनिख के जोशुआ किमिच ने किया। दोनों टीमों के बीच पहला लेग 2-2 से बराबर रहा था। ऐसे में दोनों टीमों का क्वार्टर फाइनल का एग्रीगेट स्कोर 3-2 रहा, और म्यूनिख को जित मिली।

कैसे दो लेग में होते है मुकाबले - राउंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों क्लबों के घर में होते है। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

1955-56 से खेली जा रही है यूऐफा चैंपियंस लीग - दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग 'चैंपियंस लीग' का यह 32वां सीजन है। जिसका चैंपियन 10 जून को मिला जाएगा। लीग की शुरुआत 1955-56 में हुई थी। तब यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित लीग का नाम यूरोपियन चैंपियंस कप था। 1992 में नाम बदलकर यूऐफा चैंपियंस लीग कर दिया गया। हर सीजन इसमें 32 टीमें हिस्सा लेती है। इन टीमों को 8 ग्रुप में बांटा जाता है।

मोहन बागान सहित इन तीन क्लबों की सफलता से देश में फुटबॉल आगे बढ़ेगा : एआईएफएफ

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग की सफलता से पश्चिम बंगाल के साथ ही देश में भी फुटबॉल का स्तर बढ़ने के साथ ही इसकी लोकप्रियता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मुंबई सिटी एफसी को हराकर जिस प्रकार मोहन बागान ने पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप जीता है। उससे भी उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा, ''कोलकाता के इन तीनों क्लबों को पश्चिम बंगाल, भारत और विश्व स्तर पर प्रशंसकों का भारी समर्थन हासिल है। साथ ही कहा कि मोहन बागान और ईस्ट बंगाल की सफलता, और साथ ही मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अगले सत्र में आईएसएल में शामिल होने से भारतीय फुटबॉल और बेहतर होगा।'' मोहन बागान ने पिछले साल तीन सितंबर को ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराकर 23 साल में अपने पहले डूरंड कप खिताब के साथ सफलता की शुरुआत की थी। वहीं ईस्ट बंगाल ने 29 जनवरी को भुवनेश्वर में ओडिशा एफसी को 3-2 से हराकर सुपर कप जीता। इसके अलावा कई बार निचली लीग में खिसकने के बाद वापसी करते हुए मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस महीने की शुरुआत में शिलांग लाजोंग एफसी को 2-1 से हराकर एक दौर शेष रहते हुए आईलीग का खिताब जीता और आईएसएल में जगह बनाई।

एमएलसी खेलेंगे मैक्सवेल, ब्रेक नहीं ख़राब फ़ॉर्म के चलते नहीं खेले हैदराबाद के ख़िलाफ़ मैच

नई दिल्ली ।

ग्लेन मैक्सवेल अब मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) खेलते भी दिखाई देंगे। मैक्सवेल का वॉशिंगटन फ्रीडम के साथ करार हुआ है। इसके साथ ही मैक्सवेल ने सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होने पर भी स्पष्टीकरण दिया है।

वॉशिंगटन की टीम में मैक्सवेल के साथ ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ भी होंगे जबकि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग भी इसी दल का हिस्सा हैं। मैक्सवेल ने ईएसपीएन के अराउंड द विकेट कार्यक्रम में कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका में खेलने को लेकर काफ़ी उत्साहित हैं।

हेड और स्मिथ के अलावा एडम जम्पा (लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स), स्पेंसर जॉनसन (नाइट राइडर्स), टिम डेविड (एमआई न्यूयॉर्क), मैट शॉर्ट (सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स), जेक फ़्रेज़र-मैकगर्क (सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स) ऐसे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं, जिनका एमएलसी का अगला सीज़न खेलना तय है। एमएलसी का दूसरा सीज़न टी20 विश्व कप के तुरंत बाद ही शुरू हो जाएगा।

हैदराबाद के ख़िलाफ़ पिछले मैच में ना खेलने पर मैक्सवेल ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह ब्रेक के चलते बाहर नहीं हुए थे बल्कि उनका मानना था कि वह आरसीबी की बेस्ट इलेवन में अपनी जगह नहीं देखते हैं।

मैक्सवेल ने कहा, मेरा आत्मविश्वास काफ़ी गिर गया था। मेरे गेम प्लान के अनुसार कुछ भी घटित नहीं हो रहा था। इसलिए मैं फ़ाफ़ (डुप्लेसी) के पास गया और उनसे कहा कि मेरे स्थान पर किसी और को आज़माया जाना चाहिए और यही बात मैंने टीम के कोच एंडी फ़्लावर से भी जाकर कही। मुझे लगा कि यह किसी और को मेरी जगह पर खेलने का सुनहरा अवसर देगा और मैं अपने निर्णय से संतुष्ट हूं। मुझे हिप स्ट्रेन भी है इसलिए इससे रिकवर होने के लिए भी मुझे समय मिल गया है। अगर मेरे लिए कोई जगह खाली होगी तो मैं निश्चित ही उस अवसर को भुनाने का प्रयास करूंगा लेकिन यह ऐसा नहीं है कि रिकवर होते ही मुझे मौक़ा मिल जाएगा। इस साल मैंने वैसा प्रदर्शन नहीं किया है कि जिससे टीम में मेरी जगह पक्की हो।

बुमराह को छोड़कर, एमआई की गेंदबाजी काफी कमजोर : फिंच

नई दिल्ली ।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली मुंबई टीम की गेंदबाजी की आलोचना करते हुए गहराई और निरंतरता की कमी पर प्रकाश डाला। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने आखिरी मुकाबले के दौरान एमआई गेंदबाजों का हाल बेहद खराब नजर आया। केवल जसप्रीत बुमराह को छोड़कर टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर नजर आई। एमआई ने सात गेंदबाजी विकल्पों का इस्तेमाल किया, जिनमें से आकाश मधवाल, कप्तान हार्दिक पांड्या और रोमारियो शेफर्ड ने 12 से अधिक की इकॉनमी से रन दिए। यहां तक कि 11 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ अपने मैच में भी जब सभी गेंदबाजों ने 7 या 10 से अधिक की इकॉनमी से रन लुटाए तो केवल बुमराह ही थे, जिन्होंने 5.25 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। फिंच ने मुंबई इंडियंस को जीत की पटरी पर कैसे वापस लाया जा सकता है, इस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मुझे लगता है कि कप्तान को बल्ले और गेंद के साथ कुछ फॉर्म और निरंतरता ढूंढनी होगी। हमने देखा है वह कुछ मैचों में गेंदबाजी करते हैं और कुछ में नहीं, इसलिए उन्हें बल्ले और गेंद दोनों के साथ फॉर्म तलाशनी होगी।

इसके अलावा, जसप्रीत बुमराह के बाहर उनकी गेंदबाजी में गुणवत्ता और निरंतरता की कमी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खेल के प्रति बेखौफ दृष्टिकोण के लिए पूर्व एमआई कप्तान रोहित शर्मा की भी प्रशंसा की। रोहित ने सीएसके के खिलाफ शानदार शतक बनाकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्य से, यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस समय रोहित शर्मा के साथ एक चीज जो मुझे देखना पसंद है। वह यह है कि वह बेखौफ क्रिकेट खेल रहे हैं।

दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोता ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली ।

दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोता ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा की, जिसके साथ चीन के चेंगदू में थॉमस और उबेर कप फाइनल अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। मोमोता 2018 में चीन में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले पहले जापानी व्यक्ति बने और अगले वर्ष उन्होंने स्विट्जरलैंड में अपने ताज का सफलतापूर्वक बचाव किया। मोमोता ने टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे एहसास हुआ है कि मैं अब उस बिंदु पर वापस नहीं पहुंच सकता जहां मैं फिर से दुनिया में नंबर 1 बनने का लक्ष्य बना रहा हूं।राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए मेरा करियर बहुत ही संतुष्टिदायक रहा। अब मैं सभी प्रकार के लोगों को खेल का आनंद लेने में मदद करने में शामिल होना चाहता हूं।2019 में, मोमोता ने बीडब्लूएफ टूर पर रिकॉर्ड 11 खिताब जीते और उन्हें शीर्ष पुरुष खिलाड़ी का नाम दिया गया। हालाँकि, अगले वर्ष जनवरी में, मलेशिया मास्टर्स खिताब जीतने के बाद कुआलालंपुर में उनकी एक दुखद राजमार्ग दुर्घटना हुई, जिसमें वे चमत्कारिक रूप से बच गए। पूर्व विश्व नंबर 1 ने उसी वर्ष दिसंबर में अपनी प्रतिस्पर्धी वापसी की, लेकिन तब से उनका फॉर्म पहले जैसा नहीं रहा है। वह टोक्यो ओलंपिक में भी

निराशाजनक रूप से ग्रुप-स्टेज से बाहर हो गए और दुर्घटना के बाद से केवल दो टूर जीत हासिल की है। मैं झूठ नहीं बोलूंगा, दुर्घटना के बाद मैंने खुद से पूछा, मैं ही क्यों ईमानदारी से कहूं तो, यह एक के बाद एक कठिन समय था। लेकिन मैं इसका दोष दुर्घटना पर नहीं मढ़ना चाहता था। मैं कोशिश करना चाहता था। जनवरी 2020 में दुर्घटना के बाद से बहुत कठिनाई हुई। मैंने बहुत सी चीजें करने की कोशिश की लेकिन मैं जो था और जो मैं हूं उसके बीच भावनात्मक, शारीरिक अंतर को कम नहीं कर सका। मुझे लगा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता कि फिर से विश्व नंबर 1 बनूं।

रोहित ने वर्ल्ड कप को लेकर मीटिंग का खंडन किया

कहा- अगरकर, द्रविड़ से मुलाकात नहीं; इम्पैक्ट प्लेयर नियम के फेवर में नहीं भारतीय कप्तान

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने इस बात का खंडन किया है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए किसी तरह की उनकी मीटिंग चीफ कोच और चीफ सेलेक्टर के साथ हुई है। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट और पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वॉन से हुई प्रेयरी फायर पॉडकास्ट पर कई मुद्दों पर बात की। रोहित ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम पर जहां पर विचार रखे, वहीं दीनेश कार्तिक और धोनी की बल्लेबाजी की तारीफ भी की। रोहित ने पॉडकास्ट पर पूर्व क्रिकेटरों से बातचीत में कहा, मैं किसी से नहीं मिला। अजीत अजीत अगरकर दुबई में कहीं हैं, वो गोल्फ खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ बेंगलुरु में हैं और

अपने बच्चे को खेलते हुए देख रहे हैं। मैं मुंबई में था। ईमानदारी से कहूं तो हम मिले नहीं हैं। जब तक आप मुझे , राहुल द्रविड़, अजीत या बीसीसीआई के किसी व्यक्ति को कैमरे के सामने आकर बात करते हुए नहीं सुनते, तब तक सब बकवास है।

टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। वहीं 1 मई तक इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कुछ दिनों में हो जाएगा। टीम इंडिया के सिलेक्शन के लिए सिलेक्टर्स की मीटिंग 30 अप्रैल या 1 मई को हो सकती है

रोहित इम्पैक्ट प्लेयर नियम से नाखुश - रोहित इम्पैक्ट प्लेयर नियम से नाखुश हैं। उन्होंने पॉडकास्ट में इम्पैक्ट प्लेयर को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मैं इम्पैक्ट प्लेयर नियम का प्रशंसक नहीं हूं। इससे ऑलराउंड खिलाड़ियों का महत्व घटेगा और उन्हें पीछे रखेगा। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है न कि 12 खिलाड़ियों। इम्पैक्टर प्लेयर के नियम आने से ऑलराउंर्ड्स शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को मौका नहीं मिल पा रहा है। आप लोगों के लिए ज्यादा मनोरंजक बनाने के लिए खेल से बहुत कुछ निकाल रहे हैं।

धोनी को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाना कठिन- रोहित से पूछा गया कि धोनी को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए संन्यास से वापस लेकर आ सकते हैं, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए एमएस धोनी को मनाना मुश्किल होगा लेकिन दीनेश कार्तिक को मनाना आसान होगा। रोहित ने आगे कहा कि दिनेश कार्तिक ने जिस तरह से इस आईपीएल में बल्लेबाजी की और एमएस धोनी जिस तरह से उन्होंने आकर सिर्फ 4 गेंदें खेलीं और खेल पर बड़ा प्रभाव डाला, उससे वास्तव में मैं प्रभावित हूं।

पंत हो सकते हैं वर्ल्ड कप टीम में शामिल - इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने रोहित शर्मा से पूछा कि क्या कोई ऐसा खिलाड़ी है, जिसे वह सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए टीम में रखना चाहेंगे। इस पर रोहित ने हंसते हुए कहा कि वह ऋषभ पंत को जरूर टीम में रखेंगे।

ट्रीटमेंट

कैसे बचें गंजेपन की समस्या से

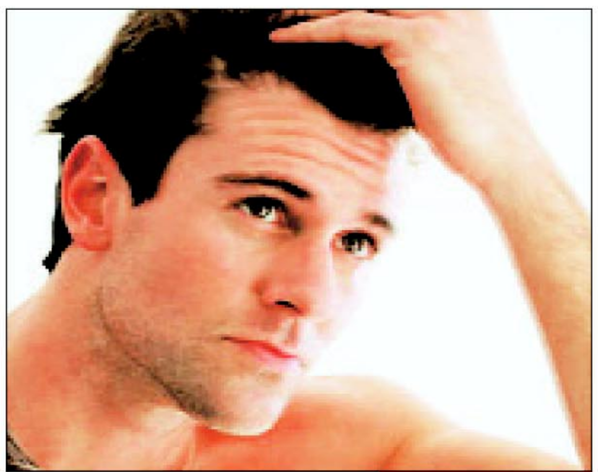

बालों का झड़ना और गंजापन आजकल एक आम समस्या है। पहले 40-45 साल की उम्र के बाद ही बालों के झड़ने की समस्या सामने आती थी, लेकिन अब कम उम्र में ही बाल झड़ने लगते हैं।

बालों को पकड़े हुए आदमी: बाल झड़ने की एक बड़ी वजह अनियमित जीवनशैली और प्रदूषण है। हालांकि कई बार इसके पीछे अनुवांशिक कारण भी होते हैं। लेकिन समय रहते अगर बालों की सही देखभाल की जाए तो काफी हद तक गंजेपन की समस्या से बचा जा सकता है। अगर आपके बाल बहुत तेजी से झड़ रहे हैं तो आप निम्न कुछ टिप्स आजमा कर देख सकते हैं।

गंजेपन के कारण

- लम्बे रोग जैसे- टायफाइड, जुकाम, साइनस तथा खून की कमी आदि।
- बालों के प्रति लापरवाह
- तनाव
- कब्ज रहना, नींद न आने के कारण
- हार्मोस बदलने के कारण

गंजेपन की समस्या को दूर करने के टिप्स

1. अपने भोजन में सब्जियां, सलाद, मौसमी फल, अंकुरित अन्न का सेवन अधिक मात्रा में करना चाहिए। जंक फूड के बजाय घर का पौष्टिक भोजन करें। पानी भरपूर मात्रा में पिएं।
2. बालों को जब भी शैंपू करें, उंगलियों के पोरों से हल्के-हल्के मसाज करें। ऐसा करने से आपके सिर का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा।
3. एंटी डैंड्रफ शैंपू का ज्यादा प्रयोग न करें, क्योंकि इससे सिर की नेचुरल नमी खत्म हो जाती है।

4. गंदे बालों पर जैल या कोई हेयर स्प्रे न करें। इससे बालों को नुकसान हो सकता है। अगर बाल कमजोर हैं तो उन्हें स्ट्रेट, कर्ली नहीं करवाना चाहिए। उन पर जैल या हेयर कलर भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इन उत्पादों में रसायन मिले होते हैं। ये बालों को धीरे-धीरे खराब कर देते हैं।
5. हर समय कैप न पहनें। इससे पसीना, कीटाणु और गंदगी सिर के किनारों पर जम जाती है। बालों की जड़ों को नुकसान होता है और बाल गिरने शुरू हो जाते हैं।
6. गीले बालों में कंघा न करें, दिन में तीन-चार बार कंघा करें। ऐसा करने से बालों में जमीं तेल की चिपचिपाहट दूर होंगी और नए बाल उगने में मदद मिलेगी।
7. सिर पर तेल से मसाज करें। आप सरसों और जैतून के तेल को बराबर मात्रा में मिला कर बालों में हल्के-हल्के उंगलियों के पोरों से मसाज करें। मसाज करने के बाद तौलिये को गर्म पानी में भिगोएं फिर उसे निचोड़कर सिर को भाप दें। इससे सिर की त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते है और तेल बालों की जड़ों के अंदर तक समा जाता है। इससे आपके बाल मजबूत होंगे।
8. आपको लगे कि गंजेपन की शुरुआत होने लगी है तो बालों को छोटा करवा लें।

इसके अलावा बालों के लिए कुछ घरेलू उबटन भी बना कर लगा सकते है। 1 अंडे की जर्दी को बालों में लगाएं और आधे घंटे बाद शैंपू से बालों को धो लें। ऐसा सप्ताह में एक बार करें, आपके बाल मजबूत होंगे।

पेट के लिए वरदान पपीता

फलों में पपीता पेट के लिए काफी लाभदायक है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो भोजन पचाने में मदद करता है। पपीते का सेवन रोज करने से पपीते में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं। इसमें न सिर्फ बीटा कैरोटिन, बल्कि लाइकोपिन भी पर्याप्त मात्रा में होता है। जो पुरुष ज्यादा लाइकोपिन युक्त फल और सब्जियों का सेवन करते हैं उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका 82 प्रतिशत कम होती है।

आपके ऑफिस के ड्रॉवर में जरूर रखें ये स्नैक्स

जब हमें कोई स्वास्थ्यगत समस्या आती है, तभी हम अपनी सेहत को लेकर अलर्ट होते हैं। तो इससे पहले कि आपका शरीर आपको कोई चेतावनी दे, आपको खुद ही उसकी जरूरतों को समझना चाहिए। ऑफिस कैंटीन या फिर किसी कैफेटेरिया या पिज्जा हाउस से जंक मंगवाकर खाने के बजाए आप अपनी डेस्क में ही कुछ ऐसी चीजें रखें जिनसे पेट भी भरे और आपकी सेहत पर खराब प्रभाव भी न पड़े।

बीज :जी हां, बीज....! तरबूज, खरबूज के बीज या फिर मूंगफली के दाने आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में हमेशा रखें। एक तो ये चीजें जल्दी खराब नहीं होतीं, दूसरे ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं।

सूखे फल: सूखे फल जैसे किशमिश, खुबानी, खजूर या सूखे सेब जैसी चीजें भी आप अपने पास रख सकते हैं। ये फाइबर के स्रोत हैं और न्यूट्रिशियस भी हैं। ध्यान यह रहे कि आप इनके साथ शकर न लें।

क्रैकर्स : क्रैकर्स भी स्नैक्स टाइम में खाने लायक चीजें हैं। भारतीय खाने में मठरी, खाखरे, रोस्टेड पापड़ आदि आप अपने साथ रखें। रोस्टेड धान जैसे ज्वार, गेहूं आदि भी आप इसमें शामिल कर सकते हैं। बस, इन्हें ज्यादा मात्रा में न खाएं।

पॉपकॉर्न : पॉपकॉर्न भी आप अपने साथ रख सकते हैं। पॉपकॉर्न बनाते हुए इसमें थोड़ा नमक, काली मिर्च, हल्दी, जीरा आदि डाल लें। इससे यह आपके नमकीन खाने की इच्छा को भी संतुष्ट करेगा।

डार्क चॉकलेट: यदि आपको पसंद है तो आप अपने स्नैक्स टाइम में एक-दो क्यूब्स डार्क चॉकलेट भी ले सकते हैं। कोको मैग्निशियम का बड़ा सोर्स है और मैग्निशियम एक स्वाभाविक स्ट्रैस रिलीवर है।

भुना चना : आप चाहे जो अपनी डेस्क के ड्रॉवर में रखें लेकिन जो बात भुने हुए चने में है, वह किसी और में नहीं होगी। ये प्रोटीन का पंच हुआ करते हैं।

मसाला परमल: ये विशुद्ध देसी स्नैक है, जिसे आप अपने साथ रख सकते हैं। सूखा व हल्का होने से यह रखने में आसान है। मसाला परमल आपकी हर तरह के स्वाद की इच्छा को पूरा करने की क्षमता रखता है। इसमें तेल नहीं होने से यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

नट्स: नट्स आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में रख सकते हैं। ये सूखे रहते हैं और एनर्जी सोर्स होने के साथ ही जल्दी भूख मिटाने वाले भी होते हैं। आप बादाम, काजू, अखरोट और चिलगोजे अपने साथ रख सकते हैं। स्नैक्स टाइम में या फिर जब भी भूख लगे, आप इन्हें खा सकते हैं। ये भी प्रोटीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

लू से बचाव में होमियोपैथ और आयुर्वेद के ये नुस्खे हैं कारगर

आग बरसाने वाली धूप और गर्म हवा के झोंके। सूरज की ऐसी दहक देखकर घर से बाहर निकलने से पहले किसी की भी रुह कांप उठती है। वातावरण इतना गर्म है कि लोग घर के अंदर भी महफूज नहीं हैं। ऐसे में आपकी सेहत नासाज न हो जाए इसके लिए होमियोपैथ और आयुर्वेद के नुस्खे आपके काम आ सकते हैं।

होमियोपैथिक चिकित्सक डा. विनय कुमार बताते हैं कि तेज धूप में निकलने से पहले अगर ग्लो-नाइन (200) दवा की दो बूंद ले ली जाए तो काफी हद तक लू से बचाव हो सकता है। आयुर्वेद चिकित्सक डा. अखिलेश बताते हैं कि इस मौसम में आम का शर्बत और उबले आम को हथेली एवं तलवों को लगाना चाहिए।

कद्दू की सब्जी और मौसमी फल प्रचुर मात्रा में खाना चाहिए। आयुर्वेद मतानुसार जेठ और असाढ़ माह में तामसी भोजन नहीं करना चाहिए इससे पित्त प्रभावित होता है। सबसे अहम कि दही का सेवन भी अभी ठीक नहीं है। यह महिलाओं में प्रदर रोग का कारण बन सकता है।

जब निकलें आप धूप में

धूप में छाता, टोपी और धूप चश्मे का उपयोग करें, घर में भी शरीर को अच्छी तरह ढकने वाला सूती एवं हल्के कपड़े पहनें, धूप से आकर तुरंत बर्फ या शीतल पेय आदि का प्रयोग नहीं करें

खानपान: भरपेट पानी, मसाले कम

स्वच्छ पानी प्रचुर मात्रा में पीयें, नमक-चीनी-पानी का घोल भी लें, भूखे पेट घर से बाहर नहीं निकलें,

खीरा, ककड़ी, तरबूज और खरबूज सहित ताजे फल खाएं, सत्तू, बेल,आम का शर्बत,जलजीरा पीयें।

ओआरएस हमेशा घर में रखें

गर्मी के मौसम में ओआरएस का पैकेट हमेशा अपने घर में रखें। जब भी नसें खींचे, थकान हो, उल्टी-दस्त हो जाए तो ओआरएस जरूर लें।

सलाह

सुन्न होते हाथ -पैरों को ठीक करें ये टिप्स !

हाथों पैरों का सुन्न हो जाना आजकल की एक आम समस्या है। इस समस्या में ज्यादा देर तक बिना हिले डुले एक ही अवस्था में बैठे रहने से हाथ पैरों की कुछ नसें दब जाती हैं जिससे उन नसों को ऑक्सीजन नहीं मिल पाता और हाथ पैर सुन्न पड़ जाते हैं। इस परेशानी के कई कारण हो सकते है। कई बार तो शरीर में पोषक तत्वों की कमी की वजह से भी हाथ पैर सुन्न पड़ जाते हैं और कई बार थकान, स्मोकिंग ,बहुत अधिक शराब का सेवन या डायबिटीज अगर हो तो भी इस परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू टिप्स बताऐगें जिनको अपनाकर आप इस परेशानी से निजात पा सकते है।

गुनगुने पानी में पैरों को भिगोएं

यदि आपके हाथ या पैर सुन्न हो गए हैं तो आप एक बड़े बर्तन में गुनगुना पानी लें और उसमें सेंधा नमक मिलाएं,फिर इसमें सुन्न हुआ अंग करीब 10 मिनट के लिए भिगो कर रखें। ऐसा करने से काफी आराम मिलेगा।

दालचीनी का उपयोग करें

दालचीनी में काफी मात्रा में न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो हाथों और पैरों में ब्लड फ्लो को बढ़ाते हैं। एक शोध के अनुसार रोजाना 2-4 ग्राम दालचीनी पाउडर को लेने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसको लेने के लिए 1 चम्मच दालचीनी और शहद मिला कर सुबह कुछ दिनों तक सेवन करें।

शारीरिक कसरत करें

शारीरिक कसरत करने से आपके शरीर की नसों को पूरी मात्रा में ऑक्सीजन मिलता है जिससे अंगो के बार-बार सुन्न पड़ जाने की समस्या खत्म हो जाती है।

मसाज करें

हाथ पैरों के सुन्न पड़ने पर जैतून या फिर सरसों के तेल को गुनगुना गर्म करके उससे हाथ पैरों की मालिश करें, इससे नसें खुलती हैं और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और शरीर ठीक हो जाता है।

हल्दी और दूध

हल्दी एंटीबैक्टीरियल और औषधिय गुणों से भरपूर होती है। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने का काम करती है जब आपके हाथ या पैर सुन्न पड़ जाए तो आप हल्दी वाले दूध में शहद मिलाकर पी सकते है।

गर्म पानी से सेंकें

आप इस अवस्था में गर्म पानी की बोतल से सुन्न पड़े हिस्से की अच्छे से सिकाई करें इससे काफी आराम मिलता है।

मैग्नीशियम का सेवन जरूर करें

हरी पत्तेदार सब्जियां,मेवे,ओटमील,पीनट,बटर,सोयाबीन, अवाकाडो,केला,डार्क चॉकलेट और लो फैट दही में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इनके सेवन करने से भी इस समस्या से निजात पाई जा सकती है।

त्रिकोणासन गर्दन को मजबूत बनाएं और अच्छी सेहत पाएं!

आज-कल की दिनचर्या में बड़े बदलाव आए हैं, लोगों को पूरा दिन टकटकी लगाए कुर्सी पर बैठे हुए काम करना होता है और जब काम नहीं होता है तब भी वहीं बैठकर कंप्यूटर को घूरना पड़ता है, ताकी बॉस को अच्छा लगता रहे। इसके ऊपर से ऑफिस आने-जाने में लगने वाले कई घंटे और भागदौड़ में एक्सरसाइज करने का समय न मिलना।

लंबे समय तक ऐसा रहने पर गर्दन में दर्द की समस्या शुरू हो जाती है और शरीर भी कमज़ोर होता जाता है। लेकिन इस समस्या से आपको एक आसन बचा सकता है, जिसे आप दफ्तर में भी कर सकते हैं, वो भी मिनटों के अंदर। आज हम आपको त्रिकोणासन अर्थात ट्रायंगल पोज़ के बारे में बता रहे हैं, जिससे न सिर्फ गर्दन मजबूत बनती है, बल्कि इससे पूरे शरीर को फायदा होता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन योग करते समय शरीर का आकार त्रिकोण (ट्रायंगल) की तरह बन जाता है और इसके चलते ही इस आसन को त्रिकोणासन पुकारा जाता है। मोटापे से परेशान लोगो के लिए यह सबसे सरल और उपयोगी आसन साबित होता है। त्रिकोणासन का नियमित अभ्यास करने से आपके पेट, कमर, जांघ और नितंब पर जमी अतिरिक्त चर्बी को भी आसानी से कम किया जाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से रीड़ की हड्डी व गर्दन मज़बूत बनते हैं।

सावधानियां

उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, जुलाब, गर्दन और पीठ की चोट लगने पर यह आसन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा जितना इस आसन को करते समय जितना आराम से कमर को आगे झुकाकर मोड़ सके उतना ही करें। जल्दबाजी और झटके से बचें। माईग्रेन, हाईपर एसिडिटी व हाई ब्लड प्रेशर में भी इस आसन का अभ्यास न करें।

त्रिकोणासन कैसे करें

- सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों के बीच सुविधाजनक दूरी बना लें (तकरीबन 3 से 4 फिट की)।
- अब अपने दाहिने पंजे को 90 डिग्री तथा बाएं पंजे को 15 डिग्री तक घुमाएं।
- फिर अपनी दाहिनी एड़ी के केंद्र को अपने बाएं पैर से बन रहे घुमाव के केंद्र की सीध में लेकर आएं।
- अब सुनिश्चित करें की आपके पंजे जमीन को दबा रहे हों और शरीर का भार दोनों पैरों पर समान रूप से हो।
- इसके बाद एक गहरी सांस भीतर लें, सांस बाहर छोड़ते समय अपने शरीर को दाहिने तरफ मोड़ें, कूल्हों से नीचे की तरफ जाएं, कमर को सीधा रखते हुए अपने बाएं हाथ - फिर को ऊपर हवा में उठाएं और दाहिने हाथ को नीचे ज़मीन की ओर लाएं। इस प्रकार अपने दोनों हाथों को एक सीध में रहेंगे।
- अब अपने दाहिने हाथ को एड़ी या जमीन पर बाहर की तरफ रखें या फिर अपनी कमर को बिना मोड़े जहां तक संभव हो रख सकते हैं। अपने बाएं हाथ को छत की ओर खींचे और कंधो की सीध में लाएं।
- इसके बाद शरीर में अधिकतम खिंचाव बनाए रखें और स्थिर भी रहें। साथ ही गहरी सांसें भी लेते रहें।
- जब भी सांस लें, ऊपर की ओर उठें, अपने हाथों को नीचे की तरफ लाएं और पैरों को सीधा करें। इस प्रक्रिया को अपनी दूसरी तरफ से भी करें।

गंभीर बीमारी का संकेत है बार-बार डकार आना

डकार लेना एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है की हमारे द्वारा खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है, दरअसल जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। जब हम हवा निगल लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिये जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर: अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

पुरानी बदहज़मी की समस्या: की अध्ययन इस बात को बता चुके हैं कि जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत: तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज: कई बार गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज (जीइआरडी) या सीने में तेजड जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी में आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूड पाइप) में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

रेसिपी

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250 मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेन्ड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

पनीर समोसा

सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए। **कैसे आगे बढ़े:** समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**